राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 188 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, बुधवार , 19 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे होंगे अगले थल सेनाध्यक्ष, भारत सरकार ने दी मंजूरी

(एजेंसी) नयी दिल्ली। भारत सरकार ने पूर्वी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे को अगले थल सेनाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने एक जून 2021 को महत्वपूर्ण पूर्वी सेना कमान के नये कमांडर के रूप में कार्यभार संभाला था।

उन्होंने ऐसे समय इस कमान के कमांडर के रूप में कार्यभार संभाला है जब पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध के मद्देनजर चीन के साथ लगती 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट भारत किसी भी स्थिति से निपटने को लेकर अपनी पूरी तैयारी रखे हुए थी। इस कमान का मुख्यालय कोलकाता में है और यह कमान पूर्वी कमान सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश सेक्टरों में एलएसी की निगरानी करती है।

भुखमरी, कुपोषण से मौतें: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सामुदायिक रसोई पर मॉडल तैयार करने को कहा

(एजेंसी) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सामुदायिक रसोई पर एक मॉडल प्लान तैयार करने को कहा है। भुखमरी और कुपोषण से होने वाली मौतों से लोगों को बचाने के लिए सामुदायिक रसोई चलाने की मांग वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पार्टियां चुनाव में कई चीजें मुफ्त बांटने की घोषणा करती हैं पर मजबूरों की भूख शांत करने पर ध्यान नहीं देती हैं। कोर्ट ने राज्यों से इस मामले में 2 हफ्ते में आंकड़ें मांगे। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने सुनवाई के दौरान कहा कि कई राज्यों ने कोविड टीकाकरण अनिवार्य बनाने वाले आदेश जारी किए हैं। वैक्सीन न लगवाने वाले गरीबों को मुफ्त राशन जैसी सुविधा से वंचित किया जा रहा है। कई जगह नौकरी से बाहर भी किया जा रहा है। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप राज्यों को सूचित करें। शीर्ष अदालत इस मामले की अब 31 जनवरी को सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोगों को भुखमरी से बचाना सरकार का कर्तव्य है। इस टिप्पणी के बाद अदालत ने केंद्र को राज्यों से बात करके सामुदायिक रसोई बनाने के लिए कहा था।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव

राजनीतिक दलों ने डिजिटल प्रचार की शुरुआत की

(एजेंसी)

नयी दिल्ली कोविड-19 महामारी के साये में अगले महीने पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने रोचक हैशटैग, जोशीली धुन और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ डिजिटल दुनिया में अपना प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न पार्टियों में नारों को गढ़ने वाले और कलाकर लगातार काम कर रहे हैं ताकि पैने अंदाज में मतदाताओं को फे सबुक और यूट्यूब पर संदेश अथवा विरोधी दल को जवाब दिया जा सके। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश के लिए प्रचार गीत जारी किया है जो लोकप्रिय श्रीलंकाई गाना 'मणिके मागे हिथे' पर आधारित है जिसे योहानी डी सिल्वा ने गाया है। भाजपा के प्रचार गाने के बोल हैं, ''सबकी मन की यह भाषा, यहां दो-दो हैं आशा, यही मोदी, यही योगी, उपयोगी, सहयोगी।'' इसके साथ ही गाने में राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यों, 'दंगा मुक्त' पांच साल, बिजली आपूर्ति में सुधार और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रेखांकित किया गया है। इस गाने को भाजपा और उसके नेताओं ने पिछले सप्ताह अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया।''आयेगी फि र से बीजेपी' शीर्षक से भी गाना जारी किया गया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है।समाजवादी पार्टी के पास अपने प्रचार के लिए अलग गाने हैं जिनमें से एक अवधी बोली में गाना है, ''खदेड़ा होइबे''(बाहर निकाल देंगे) जो राज्य की सत्ता से भाजपा को बाहर करने की बात करता है। गोवा में तृणमूल कांग्रेस ने अपने प्रचार के लिए कोंकणी भाषा में गाना जारी किया है जिसके बोल हैं, ''एइलो दो फ ुलांछो काल, गोयेछी नवी सकल'' (दो फूल का युग यहां गोवा की नयी सुबह) और इसके जरिये वह मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास कर रही है। गाने में दो फूल का संदर्भ तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न से है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा है जो पद ग्रहण करने के बाद से 'चुनावी वादे' कर रहे हैं। आप उन्हें कॉमिक स्ट्रिप में ''ऐलान मंत्री'' (घोषणा मंत्री) दिखा रही। पंजाब कांग्रेस ने भी अपना कॉमिक स्ट्रिप जारी कर पलटवार किया है और आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ''विज्ञापन भाई'' के तौर पर दिखाया है साथ ही व्यंग कसा है कि ''खोखले नारे केजरीवाल का काम है चन्नी का नहीं।'' इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा बनाई गई नयी पार्टी 'पंजाब लोक कांग्रेस' को 'हॉकी स्टिक और गेंद' बतौर चुनाव चिह्न मिला है, जिसके साथ हैशटैग चलाया जा रहा है ''रुबस हुन गोल करना बाकी''। उत्तराखंड कांग्रेस एक रैंक एक पेंशन (ओआरओपी) पर वीडियो बनाकर भाजपा को निशाने पर ले रही है। इस वीडियों में सैन्य वर्दी में दिख रहे बच्चे यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि पूर्व सैनिकों को अबतक पेंशन योजना का पूरा लाभ नहीं मिला है। यह वीडियो एक ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल के विज्ञापन पर आधारित है। इसपर उत्तराखंड भाजपा ने कहा, ''पूरा देश जानता है कि सैनिकों को किसने ओआरओपी से वंचित किया और किसने सुनिश्चित किया कि उनका हक मिले। आइए देखें कैसे देश की सबसे असत्यवादी पार्टी का झूठ का भंडाफोड़ खुद सैनिक कर रहे हैं।' पार्टी ने इसके साथ ही वीडियो साझा किया है जिसमें पूर्व सैनिक मोदी को ओआरओपी लागू करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं।

पंजाब चुनाव में भगवंत मान आप के सीएम पद के उम्मीदवार, अरविंद केजरीवाल ने किया ऐलान

(एजेंसी)

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ऐलान किया कि पंजाब विधानसभा चुनाव में भगवंत मान पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। मान (48), संगरूर से 2 बार के लोकसभा सांसद और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख हैं। केजरीवाल ने 'मिस्ड कॉलश्' के जरिये चलाए गए 'जनता चुनेगी अपना सीएमश् अभियान के परिणाम की घोषणा एक जनसभा में की। पार्टी नेताओं ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुनने के वास्ते चलाए गए इस अभियान के तहत पार्टी को 21.59 लाख प्रतिक्रियाएं मिलीं। केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा, '' 21.59 लाख प्रतिक्रियाओं में मेरे नाम सहित कई लोगों के नाम आए। मैंने पहले ही कहा था कि मैं दौड़ में नहीं हूं। हम उन वोट (जिनमें केजरीवाल का नाम है) को अमान्य घोषित कर रहे हैं। शेष बचे अन्य मतों में से 93.3 प्रतिशत लोगों ने सरदार भगवंत मान का नाम दिया था। वहीं, दूसरे नंबर पर (कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख) नवजोत सिंह सिद्धू का नाम 3.16 प्रतिशत लोगों ने दिया। केजरीवाल ने कहा, ''भगवंत मान को औपचारिक रूप से 'आप का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया जाता है। मान इस घोषणा के बाद भावुक हो गए। मान की मां और बहन भी इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। पंजाब में चुनाव लड़ने वाले प्रमुख दलों में 'आप एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने अपने मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा की है। गौरतलब है कि पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है और मतगणना 10 मार्च को की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के कार्यकर्ताओं से किया संवाद

(संवाददाता)

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को 'नमो ऐप के जरिये अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से डिजिटल संवाद किया। नमो ऐप से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ऑडियो संवाद में विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पुनरुद्धार, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना और स्वास्थ्य देखभाल विकास सहित कई विषयों पर चर्चा की। ऐप से मिली जानकारी के मुताबिक एक कार्यकर्ता के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे किसानों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (कार्यकर्ताओं को) किसानों को रासायन मुक्त उर्वरकों के उपयोग के बारे में जागरूक करना चाहिए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कई केंद्रीय योजनाओं का भी जिक्र किया जिससे काशी के लोगों को बड़े पैमाने पर फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री ने लोगों से नमो ऐप में 'कमल पुष्प नामक एक खंड में योगदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, नमो ऐप में श्कमल पुष्पश् के नाम से जाना जाने वाला एक बहुत ही दिलचस्प सेक्शन है जो आपको प्रेरक पार्टी कार्यकर्ताओं के बारे में जानकारी साझा करने और जानने का अवसर देता है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा के 'स्पेशल माइक्रो डोनेशन कैंपेन के बारे में भी बात की, और सदस्यों और अन्य लोगों से इसमें योगदान देने की बात कही। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होना है। इसकी शुरुआत 10 फ रवरी को राज्य के पश्चिमी हिस्से के 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान के साथ होगी। दूसरे चरण में 14 फरवरी को राज्य की 55 सीटों पर मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में तीसरे चरण में 59 सीटों पर, 23 फरवरी को चौथे चरण में 60 सीटों पर, 27 फरवरी को पांचवें चरण में 60 सीटों पर, तीन मार्च को छठे चरण में 57 सीटों पर और सात मार्च को सातवें चरण में 54 सीटों पर मतदान होगा। वाराणसी में सातवें चरण में मतदान होगा। मतगणना 10 मार्च को होगी।

कांग्रेस ने पीएम मोदी साधा निशाना, कहा, इकलौते दलित पीएम के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पंजाब में कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश के इकलौते दलित मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ प्रतिशोध की कार्रवाई की गई है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच नूराकुश्ती चल रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मोदी सरकार और भाजपा प्रतिशोध की आग में धधक रही है। मोदी सरकार किसानों तथा दलित-पिछड़ों से बदला ले रही है। आंदोलन के दौरान 700 किसानों ने दम तोड़ दिया, लेकिन प्रधानमंत्री ने उनकी सुध नहीं ली। अब दलित और पिछड़ों से प्रतिशोध लिया जा रहा है। सुरजेवाला ने दावा किया, ''जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में दलित और पिछड़े नकार रहे हैं और हार सुनिश्चित दिख रही है, वैसे ही भाजपा का इन वर्गों पर हमला बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा का 'इलेक्शन डिमार्टमेंट यानी ईडी अब पंजाब पहुंचा है। देश के इकलौते दलित मुख्यमंत्री से बदला लेने के लिए प्रधानमंत्री और भाजपा ने ईडी को भेज दिया है। यह दिखाता है कि देश के इकलौते मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा के मन में प्रतिशोध की भावना धधक रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि चन्नी के परिवार के खिलाफ कोई आरोप नहीं है और प्राथमिकी में भी नाम नहीं है, लेकिन बचकाने और मनगढ़ंत आरोप मढ़े जा रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया, ''मोदी जी और केजरीवाल जी में खूब नूराकुश्ती चल रही है। जब प्रधानमंत्री का काफिला कुछ समय के लिए रुक जाता है, तो सबसे पहले केजरीवाल प्रधानमंत्री के बचाव में कूदते हैं। ईडी की कार्रवाई के बारे में सबसे पहले ट्वीट केजरीवाल ने किया है। केजरीवाल और मोदी जी उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में नूराकुश्ती कर रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि मोदी और केजरीवाल को चन्नी का मुख्यमंत्री बनना पच नहीं रहा है, इसलिए वो 'पंजाब, पंजाबियों और पंजाबियत को बदनाम करने के लिए साजिश कर रहे हैं। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा, ''भाजपा भूल कर रही है कि यह चन्नी जी हैं, अमरिंदर सिंह नहीं हैं। चन्नी मजबूती से खड़े रहेंगे। कांग्रेस पार्टी चन्नी और पंजाब के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पंजाब में फिर से सरकार बनाने जा रही है, इसलिए ये लोग बौखला रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गैरकानूनी तरीके से रेत का खनन करने में शामिल कम्पनियों और 'रेत माफिया के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत पंजाब में कई स्थानों पर मंगलवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी के अधिकारी चंडीगढ़ तथा मोहाली में कम से कम 10 से 12 स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। भूपिंदर सिंह उर्फ हनी नामक व्यक्ति के परिसर पर छापेमारी की जा रही है। उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का रिश्तेदार बताया जा रहा है। विपक्षी दलों ने पहले भी चन्नी के हनी के साथ संबंध होने का दावा किया है, लेकिन मुख्यमंत्री ने इन बातों को खारिज कर दिया था।

कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए 9 उम्मीदवार घोषित किए

(एजेंसी) नयी दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 9 उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की। पार्टी की ओर से जारी सूची में सबसे प्रमुख नाम पूर्व मंत्री माइकल लोबो का है जो हाल ही में राज्य की, भारतीय जनता पार्टी की सरकार से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्हें कालंग्यूट विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। गोवा में कांग्रेस उम्मीदवारों की यह तीसरी सूची है। राज्य में सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। 10 मार्च को मतगणना होगी।

संबित पात्रा ने सपा-कांग्रेस पर बोला हमला

कहा- दोनों पार्टियों में हिंदुओं के खिलाफ बोलने वालों को समर्थन देने की लगी है होड

(एजेंसी) नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के खिलाफ हमला बोलते हुए कहा है कि ये दोनों राजनीतिक दल हिंदू समाज को अपमानित कर रहे है और हिंदुओं के खिलाफ नफरत का माहौल बना रहे है। मंगलवार को यहां भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान हिंदुओं के खिलाफ जहर उगल हैं और कांग्रेस उनको समर्थन कर रही है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों राजनीतिक दलों में इस बात की दौड़ चल रही है कि कौन कितनी घृणा फैला सकता है। हिंदुओं के खिलाफ बोलने वालों को कौन सी पार्टी प्रश्रय दे सकती है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''मौलाना खान ने कांग्रेस को अपना समर्थन दिया। उन्होंने यह एलान कांग्रेस के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में किया। मीडिया ने इन्हीं मौलाना के वीडियो को दिखाया था, जिसमें वो हिंदुओं के खिलाफ जहर उगल रहे थे। वीडियो में वे कह रहे थे कि यदि कानून-व्यवस्था उनके लोगों हाथ में आ जाए तो हिंदुओं को हिंदुस्तान में रहने की जगह तक नहीं मिलेगी। उन्होंने हिंदुस्तान का नक्शा तक बदल देने की धमकी दी थी। सपा के कई प्रत्याशियों का नाम लेते हुए पात्रा ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव उन लोगों को टिकट दे रहे हैं जिनके खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि असलम चौधरी को सपा ने धौलाना विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है। दो समुदायों के बीच लगातार जहर उगलना, दो समुदायों को किस प्रकार से दंगों में झोंकना है इसके उपाय करना ही चौधरी का काम रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि नाहिद हसन वही है जिसने हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला था। वह कैराना से हिन्दुओं के पलायन के लिए जिम्मेदार थे। सपा के एक और उम्मीदवार मोहरर्म अली पप्पू को उन्होंने सहारनपुर गुरुद्वारा हिंसा का साजिशकर्ता बताया। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारे में किस प्रकार से हिंसा करवाई गई थी इसे हम सभी ने देखा है। पात्रा ने कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले के बयान का जिक्र करते हुए कहा, ''कल महाराष्ट्र में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए जैसे शब्दों का प्रयोग किया है, उन्हें दोहराया भी नहीं जा सकता है। उनकी बातों से स्पष्ट है कि पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में जो चूक हुई, दरअसल वह कांग्रेस का प्रयोग था, यह संयोग नहीं था।

दिल्ली के रोहिणी में मुठभेड़ के बाद हथियारों का सप्लायर गिरफ्तार, बैग में मिले 13 पिस्तौल और 38 कारतूस

(एजेंसी) नयी दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद, नंदू और सिसोदिया गिरोहों को कथित तौर पर हथियार की आपूर्ति करने वाले 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान शकील उर्फ शेरनी के तौर पर की गई है जो जहांगीरपुरी का निवासी है। पुलिस ने बताया कि शकील के पास एक बैग था जिसमें से 13 पिस्तौल और 38 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस उपायुक्त (बाहरी दिल्ली) ब्रजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रोहिणी सेक्टर 35 में यूईआर-सस के पास जाल बिछाया और मोटर साइकिल से आ रहे आरोपी को रोका। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखकर आरोपी ने 5 गोलियां चलाईं। जवाब में पुलिस ने भी 7 गोलियां चलाईं और उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी जिस मोटरसाइकिल पर सवार था, वह चोरी की थी और उसे नरेला औद्योगिक क्षेत्र से चुराया गया था। उन्होंने बताया कि शकील के खिलाफ 17 मामले दर्ज हैं और मौजूदा समय में वह नंदू और सिसोदिया गिरोहों को हथियारों की आपूर्ति कर रहा था।

केन्द्र ने राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों को कोविड जांच बढ़ाने को कहा

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। केन्द्र ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 जांच की संख्या में गिरावट को चिह्नित करते हुए सोमवार को उन्हें जांच बढ़ाने को कहा ताकि महामारी के प्रसार पर प्रभावी ढंग से नजर रखी जा सके और तत्काल नागरिक केंद्रित कार्रवाई शुरू की जा सके। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव आरती आहूजा ने उन्हें इस पहलू पर तुरंत ध्यान देने और विशिष्ट क्षेत्रों में मामले की सकारात्मकता के रुझान को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक तरीके से जांच बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ओमीक्रोन वर्तमान में पूरे देश में फै ल रहा है। मंत्रालय के पहले के पत्रों और पिछले साल 27 दिसंबर को ओमीक्रोन के संदर्भ में महामारी प्रबंधन की व्यापक रूपरेखा तैयार करने की गृह मंत्रालय की सलाह का उल्लेख करते हुए, आहूजा ने कहा कि जांच कराना एक महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने पत्र में लिखा, ''हालांकि, आईसीएमआर पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों से यह देखा गया है कि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जांच में गिरावट आई है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधानपरिषद (आईसीएमआर) द्वारा जारी सभी परामर्शों में मूल उद्देश्य त्वरित पृथकवास और मामलों का शीघ्र पता लगाना है। आहूजा ने कहा, ''बीमारी को उन लोगों में गंभीर श्रेणी में बढ़ने से रणनीतिक जांच के जरिये रोका जा सकता है, जिनमें उच्च जोखिम हैं और जो संवेदनशील हैं, साथ ही उन क्षेत्रों में जहां प्रसार अधिक होने की आशंका है।

गणतंत्र दिवस परेड में बंगाल की झांकी क्यों नहीं, राजनाथ सिंह ने ममता को चिट्ठी लिख बताया कारण

(एजेंसी) नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में पश्चिम बंगाल की झांकी को बाहर करने के बाद राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र को चिट्ठी लिखकर उसे फिर से शामिल करने मांग की थी। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बंगाल की सीएम को चिट्ठी लिखकर जवाब दिया है। राजनाथ सिंह ने ममता को चिट्ठी लिखकर कहा कि इसबार 29 राज्योंध्केंद्रशासित प्रदेशों के प्रस्तावों में से 12 को मंजूरी दी गई है। दरअसल, ममता ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर आधारित पश्चिम बंगाल की झांकी को खारिज करने पर हैरानी जताई थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि प्रस्तावित झांकी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष पर उनके और आजाद हिन्द फौज के योगदान की स्मृति में बनाई गई थी। राजनाथ सिंह ने चिट्ठी में लिखा है, हमारी सरकार ने ही 1943 में नेताजी के नेतृत्व में बनी भारत की निर्वासित सरकार की 75वीं वर्षगांठ 2018 में भव्य रूप से मनाई थी और गणतंत्र दिवस परेड में आजाद हिंद फौज के जीवित सेनानियों को शामिल कर सम्मानित भी किया था।

उत्तर कोरिया ने एक नहीं, दो बैलेस्टिक मिसाइल की लान्च, हाईअलर्ट पर जापान, कहा- तैयार रहें

सिओल। उत्तर कोरिया ने इस माह में चौथी बार जापान सागर की तरफ अपनी मिसाइल लान्च की है। रायटर्स की खबर के मुताबिक उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग एयरपोर्ट से दो बैलेस्टिक मिसाइल सोमवार तड़के लान्च की हैं। शुरआत की खबरों में जापान

की मीडिया में इसको अनआइडेंटीफाइ प्रोजेक्टाइल बताया था। इसका अर्थ है कि इस बारे में फिलहाल कंफर्म नहीं है कि ये क्या थी। बाद में दक्षिण कोरिया ने दो बैलेस्टिक मिसाइल लान्च किए जाने की जानकारी दी है। हालांकि इनको शार्ट रेंज मिसाइल बताया जा रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ (जेसीएस) ने यानहाप एजेंसी को एक टेस्ट मैसेज में बताया है कि इसका रुख जापान सागर की तरफ था। जेसीएस के मुताबिक ये मिसाइलें सुनान एयरपोर्ट से सुबह 8:50 और 8:54 पर लान्च की गई थीं। ये करीब 42 किमी की ऊंचाई तक गईं और इन्होंने 380 किमी की दूरी तय की।फिलहाल इसके बारे में अधिक जानकारी एकत्रित की जा रही है। जापान की समाचार एजेंसी क्योडो का ये भी कहना है कि ये बैलेस्टिक मिसाइल थी।

पाकिस्तान के पाले आतंकियों से दुनिया परेशान:टेक्सास आतंकी हमले के पीछे पाक की टेरर पॉलिसी होने का शक, दुनिया भर में हो रही थू-थू

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पाले हुए आतंकी अब उसके लिए ही दुनिया भर में बदनामी का सबब बन रहे हैं। अमेरिका के टेक्सास में सिनेगॉग पर हुए आतंकी हमले के पीछे भी पाकिस्तान की टेरर पॉलिसी शक के घेरे में आ गई है। सिनेगॉग में लोगों को बंधक बनाने का मकसद अमेरिकी जेल में बंद पाकिस्तानी न्यूरो साइंटिस्ट आफिया सिद्दीकी की रिहाई था। पाकिस्तान लंबे वक्त से आफिया सिद्दीकी की रिहाई के लिए कोशिशें करता रहा है। उसके बहुत से शहरों में आफिया को 'देश की बेटी' बताया जाता है। इमरान खान ने भी इस मामले की निगरानी के लिए अपने पार्लियामेंट्री सलाहकार बाबर अवान को नियुक्त कर रखा है। आफिया के रिहाई के लिए पाकिस्तान सौदेबाजी करने से भी बाज नहीं आया। उसने आफिया को रिहा करने के बदले CIA कॉन्ट्रैक्टर रेमंड डेविस को छोड़ने की पेशकश की थी, लेकिन अमेरिका ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। दुनिया भर के खूंखार आतंकियों के लिए पाकिस्तान किसी जन्नत से कम नहीं है। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद से लेकर 1993 के मुंबई बम धमाकों का आरोपी दाऊद इब्राहिम और जैश-ए-मोहम्मद का मसूद अजहर तक पाकिस्तान में पनाह लिए हुए है।

अपना बोया ही काट रही है पाक सरकार

पाकिस्तान ने जिन आतंकियों को पाल पोस कर बढ़ा किया है अब वही उसके लिए गले की फांस बनते जा रहा हैं। पाकिस्तानी तालिबान जहां देश के अंदर लोगों की जान ले रहा है, वहीं अफगान तालिबान बॉर्डर पर पाक सैनिकों को मार रहा है। सिनेगॉग पर हमले के आरोपी ब्रिटिश नागरिक मलिक फैसल अकरम को FBI ने ढेर कर दिया। वहीं, इस मामले में ब्रिटेन के ग्रेटर मैनचेस्टर की पुलिस ने 2 नाबालिगों को गिरफ्तार किया। ग्रेटर मैनचेस्टर की पुलिस इस मामले की गहराई से छानबीन के लिए अमेरिकी एजेंसियों के साथ जानकारी भी साझा कर रही है।

इस वर्ष विश्व के कई देशों को हैरानी में डाल सकता है चीन

हांगकांग। चीन के बढ़ते कदमों की आहट से पूरा विश्व चिंता में है। चीन के आक्रामक रवैये की वजह से पूर्वी और दक्षिण चीन सागर में तनाव बरकरार है वहीं भारत से मिलती सीमा पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) को भारी मात्रा में नगदी और अपने भंडार में अत्याधुनिक उपकरणों को शामिल करने से काफी फायदा हुआ है। पिछले वर्ष चीन ने इंटरकांटिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल और फ्रेक्शनल आर्बिटल बमबार्डमेंट सिस्टम का सफल टेस्ट किया था। इस वर्ष भी वो इसी तरह के परीक्षणों से विश्व को हैरान कर सकता है। यूएस नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल कार्डिनेटर फार इंडो पेसेफिक कर्ट कैंपबेल ने पिछले सप्ताह ही इस तरह की चेतावनी दी थी। उन्होंने वाशिंगटन में सेंटर फार स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में कहा था कि यदि आप देखें और मुझसे पूछें विश्व में कौन हमें सबसे अधिक हैरान करने वाले कदम उठा सकता है तो ये प्रशांत क्षेत्र में हो सकता है।

उत्तर कोरिया: एक महीने में चौथी बार जापान सागर में दागी मिसाइलें, जापान ने कहा- चुनौती के लिए तैयार रहें

टोक्यो। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर से जापान सागर की तरफ अपनी बैलेस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस महीने यह चौथी बार है, जब उत्तर कोरिया ने ऐसा किया है। उधर, जापान मीडिया ने इसे अनआइडेंटीफाइड प्रोजेक्टाइल बताया है। यानी जापान की तरफ से अभी तक यह नहीं स्पष्ट किया गया है कि जापान सागर में बैलेस्टिक मिसाइलें ही दागी गई हैं। हालांकि, यह जरूर कहा गया है कि इसका रुख जापान सागर की तरफ ही था। वहीं समाचार एजेंसी क्योडो ने इसे बैलेस्टिक मिसाइल बताया है।

इससे पहले दाग चुका है हाइपरसोनिक मिसाइलें

अब तक के तीन परीक्षणों में उत्तर कोरिया जापान सागर में हाइपरसोनिक मिसाइलें दाग चुका है, लेकिन बैलेस्टिक मिसाइल का यह पहला मामला है। वहीं जापानी कोस्ट गार्ड का कहना है कि जापान के जहाजों को इससे कोई नुकसान

नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

जापान ने कहा तैयार रहें

जापान के पीएम ऑफिस की ओर से किए गए एक ट्वीट में कहा गया है कि विमानों, जहाजों और दूसरे संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है। सुरक्षा के लिए जो कुछ भी करना पड़े, उसके लिए तैयार रहें। वहीं हर समय चुनौती का सामना करने के भी दिशानिर्देश दिए गए हैं।

अमेरिका को दे रहा चुनौती-उत्तरी कोरिया ने इस तरह के मिसाइल परीक्षण करके अमेरिका को खुली चुनौती दी है। दरअसल, अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं, साथ ही परमाणु कार्यक्रम बंद करने का भी दबाव बनाया जा रहा है। अब उत्तर कोरिया ने इस तरह के परीक्षण से साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों से दबने वाला नहीं है। भी है।

फ्रांस में नया वायरस कानून लागू, बिना वैक्सीन नहीं जा सकेंगे कैफे व रेस्तरां

पेरिस। फ्रांस की संसद ने एक कानून को मंजूरी दी जिसमें टीकाकरण नहीं करवाने वाले लोगों के रेस्तरां, खेल स्टेडियमों और ऐसे ही अन्य स्थानों में प्रवेश पर पाबंदी होगी। ऐसा बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप के कारण रिकॉर्ड संख्या में दर्ज किए जा रहे संक्रमण के मामलों के बीच अस्पतालों को सुरक्षित रखने के सरकार के प्रयासों के तहत किया गया है। नेशनल असेंबली ने विधेयक के पक्ष में 215 मत डालकर कानून को स्वीकार किया। मध्यमार्गी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने विधेयक को तेजी से पारित कराने की कोशिश की थी लेकिन दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों के विरोध के चलते और सैकड़ों प्रस्तावित संशोधनों के

कारण से इसमें थोड़ी देरी हुई। फ्रांस के 91 प्रतिशत वयस्कों का टीकाकरण पहले से पूरा हो चुका है, और कुछ आलोचकों ने सवाल किया है कि क्या 'वैक्सीन पास' से बहुत फर्क पड़ेगा। मैक्रों की सरकार उम्मीद कर रही है कि नई पास व्यवस्था, लॉकडाउन लगाए बिना देश भर में पहले से बोझ तले दबे अस्पतालों को भरने वाले रोगियों की संख्या को सीमित करने के लिए पर्याप्त होगी।

पहली बार कोर्ट में शाही परिवार का केस:प्रिंस हैरी बोले-मेरी पुलिस सुरक्षा बहाल हो, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। ताजा मामला महारानी एलिजाबेथ के पोते प्रिंस हैरी से जुड़ा है। हैरी ने उनकी पुलिस सुरक्षा को बहाल किए जाने की मांग की है। उन्होंने चेताया है कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो वे कानूनी कार्रवाई

करेंगे। ब्रिटेन के शाही परिवार में ऐसा पहली बार होगा, जब कोई सदस्य सरकार के खिलाफ कोर्ट में केस लड़ेगा।

उनका कहना है कि बिना पुलिस सुरक्षा के उनका ससैक्स में आना सुरक्षित नहीं हैं। हैरी का कहना है कि वे पुलिस सुरक्षा का खर्च उठाने को भी तैयार हैं। हैरी दो साल पहले अपने शाही दायित्वों को छोड़ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि महारानी ने हाल में अपने छोड़े बेटे प्रिंस एंड्रू को सैक्स स्कैन्डल में फंसने के कारण शाही खिताब से बेदखल कर दिया था। एंड्रू अमेरिका में मुकदमे का सामना करेंगे।

नेपाल ने अफगानिस्तान के लिए भेजी 14 टन मानवीय सहायता

काठमांडू। नेपाल ने अफगानिस्तान की मदद के लिए करीब 14 टन मानवीय सहायता वहां कार्य कर रहे संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों को सौंपी। नेपाल के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार है जब उसने किसी दूसरे देश को मदद भेजी है। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सेवा लामसाल के नेतृत्व में टीम काबुल गई और वहां पर खाद्य सामग्री के अलावा 14 टन राहत सामग्री सौंपी। मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री मंत्री नारायण खडका ने सद्भावना पहल के तहत इस प्रयास का नेतृत्व किया।

उन्होंने कहा, ''आर्थिक संकट और कठोर मौसम का सामना कर रहे अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता और अफगानिस्तान के लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन आवश्यक हो गया है।' यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में खडका ने कहा कि नेपाल के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार है जब सरकार ने दूसरे देश

को अपने स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि नेपाल की इस पहल में कन्फेडरेशन ऑफ नेपालीज इंडस्ट्रीज, फेडरेशन ऑफ नेपलीज चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंस्ट्री, नेपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स, अग्रवाल सेवा केंद्र, हिमालय एयरलाइन सहित निजी निकायों, संगठनों और लोगों ने मदद की है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी अफगानिस्तान की मानवीय सहायता के लिए 1.2 अरब डॉलर देने का वादा किया है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र ने देश में सुचारु मानवीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए तालिबान को प्रक्रिया में शामिल करने के महत्व को रेखांकित किया है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है।

चीन की जनसंख्या में 2021 में पांच लाख से भी कम बढ़ी : जन्म दर लगातार पांचवे साल घटी

बीजिंग। चीन की जनसंख्या पिछले साल के अंत तक 1.4126 अरब रही यानी कुल आबादी में पांच लाख से भी कम की वृद्धि हुई क्योंकि जन्म दर लगातार पांचवें साल घटी। ये आंकड़े विश्व की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के ऊपर मंडराते जनसांख्यिकी खतरे और उसके चलते होने वाले आर्थिक खतरे को लेकर भय पैदा करते हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने कहा कि 2021 के अंत तक, चीन के मुख्य भूभाग में आबादी 2020 की 1.4120 अरब से बढ़कर 1.4126 अरब रही। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन की जनसंख्या 2020 की तुलना में एक साल में 4,80,000 बढ़ी।

हांगकांग से संचालित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने खबर दी है कि 2021 में 1.06 करोड़ बच्चों ने जन्म लिया जो 2020 के 1.20 करोड़ के मुकाबले कम था। इस महीने की शुरुआत में, हेनान प्रांत ने सूचना दी कि वहां नवजात शिशुओं की संख्या 2020 में गिरकर 9,20,000 रही जो 2019 की तुलना में 23.3 प्रतिशत की गिरावट थी। वहां जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर घटकर 9.24 रह गई थी। हेनान चीन का तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला प्रशासनिक क्षेत्र है।

अखबार ने खबर दी है कि विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि चीन में जल्द ही जनसांख्यिकी मोड़ आ सकता है जो इसकी बढ़ती आर्थिक वृद्धि के लिए खतरा साबित हो सकता है। ऐसी स्थिति में, कार्यबल में लोगों और आश्रित व्यक्तियों (पेंशन और अन्य लाभों के साथ सेवानिवृत्त) के अनुपात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है। चीनी प्रांतों ने जन्म दर में भारी गिरावट को रोकने के मकसद से दंपतियों को तीन बच्चे पैदा करने के प्रति प्रेरित करने के लिए कई

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने कहा कि 2021 के अंत तक, चीन के मुख्य भूभाग में आबादी 2020 की 1.4120 अरब से बढ़कर 1.4126 अरब रही। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन की जनसंख्या 2020 की तुलना में एक साल में 4,80,000 बढ़ी।

सहायक उपायों की घोषणा करना शुरू कर दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी इससे पहले खबर दी थी कि बीजिंग, सिचुआन और जियांगशी प्रांतों ने कई सहायक उपाय शुरू किए जिनमें माता-पिता को अधिक छुट्टी देना, मातृत्व अवकाश, विवाह के लिए छुट्टी और पितृत्व अवकाश बढ़ाना शामिल है। चीन ने 2016 में सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दे दी थी। इसने दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति को खत्म कर दिया, जिसे नीति निर्माता वर्तमान जनसांख्यिकीय संकट के लिए दोषी मानते हैं।

कोरोना का प्रकोप: यूरोप के अस्पतालों में बढ़ने लगे ओमिक्रॉन संक्रमित, चरमरा रहीं स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

स्ट्रासबर्ग। ओमिक्रॉन संक्रमण की वजह से अस्पतालों पर बढ़ रहे दबाव के बीच यूरोपीय देशों का सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा चरमराने लगा है। जबकि, इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक सप्ताह पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर स्वास्थ्य ढांचे में सुधार नहीं किया गया, तो जिस तेजी से संक्रमित अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं जल्द ही हालात को काबू करना मुश्किल हो जाएगा।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक फ्रांस, ब्रिटेन और स्पेन जैसे देशों में जहां दुनिया के तमाम देशों की तुलना में मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा है, अब उस अवसर से दूर जा चुके हैं, जब स्वास्थ्य ढांचे में सुधार कर इसे मरीजों के दबाव में लड़खड़ाने और ध्वस्त होने से बचाया जा सकता था।

सोसायटी फॉर एक्यूट मेडिसिन के अध्यक्ष डॉ. टिम कुकस्ले ने कहते हैं कि यूरोप में कई देशों में स्वास्थ्य ढांचा काफी लचर है, अगर वहां भी संक्रमण इस तरह से फैलेगा तो ऐसे संकट का सामना कैसे किया जाएगा, इसके बारे में सोचकर ही डर लगता है। अप्रैल 2020 में, डब्ल्यूएचओ ने यूरोप के देशों को अपनी स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर बनाने की सलाह दी थी। लेकिन, ज्यादातर देशों ने सोचा कि वे महामारी के लिए तैयार हैं।

ईरान में ओमिक्रॉन से 3 मौतें

ईरान में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित होने के बाद देश में तीन लोगों की मौत हो गई। ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने यह जानकारी दी। हालांकि, ईरान में ओमिक्रॉन का पहला मामला मध्य दिसंबर में सामने आया था। लेकिन यह पहली बार है,

जब इससे मौत हुई है। टीवी चैनल के मुताबिक, देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी मोहम्मद हाशेमी के हवाले से यह भी कहा कि ओमीक्रोन के एक अन्य मरीज की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने ज्यादा विस्तार से जानकारी नहीं दी।

वैश्विक महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से कोविड 19 से ईरान में 1,32,000 लोगों की जान गई है जो पश्चिम एशिया में मृत्यु दर के लिहाज से में सबसे बुरी है। पिछले साल, अकेले 24 अगस्त को 709 लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि टीकाकरण के कारण से हाल के महीनों में मौत के मामले घटे हैं।

फ्रांस में लौटाने पड़ रहे मरीज

स्ट्रासबर्ग अस्पताल में इतनी ज्यादा तादात में मरीज आ रहे हैं कि उन्हें चाहकर भी भर्ती नहीं किया जा सकता। अस्पताल प्रणाली के 13,000 कर्मचारियों में से 15 फीसदी संक्रमित हैं। वहीं, कुछ अस्पतालों 20 फीसदी तक कर्मचारी संक्रमित हैं। बीते दो तीन दिन में कई दर्जन गंभीर रोगियों को मना करना पड़ा।

ब्रिटेन में अन्य रोगों के लोगों को नहीं मिल रहा है इलाज

फ्रांस की तरह ही ब्रिटेन में भी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली पर भारी दबाव है। ब्रिटिश सरकार को लंदन के अस्पतालों में सेना उतारनी पड़ी, ताकि एंबुलेंस, टेस्टिंग और अन्य जरूरतों को पूरा किया जा सके। ब्रिटेन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा परिसंघ के मुताबिक फिलहाल 100,000 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कमी है। कोविड के चलते अस्पतालों पर भारी दबाव है, जिसकी वजह से कई ऐसे मरीज हैं, जिनके कैंसर का पता चलते में काफी देर हो गई है। अकेले इंग्लैंड में करीब 13,000 रोगियों को इलाज के लिए इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 59 लाख लोग की कैंसर की जांच, सर्जरी होने है, लेकिन कोविड से वे प्रतीक्षा सूची में हैं।

अपने ही देश में जमकर बेइज्जत हो रहे पीएम इमरान, जमात-ए-इस्लामी प्रमुख बोले-अंतर्राष्ट्रीय भिखारी हैं खान

पेशावर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की उनके अपने मुल्क में जमकर बेइज्जती हो रही है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख सिराज-उल-हक ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय भिखारी बताते हुए दावा किया है कि पाकिस्तान की सभी आर्थिक समस्याओं का एक ही हल है कि पीएम इमरान खान की विदाई कर दी जाए।लाहौर में अपनी बात रखते हुए हक ने देश में फिर से चुनाव कराने की बात की और देश में पेट्रोल की कीमत बढ़ने पर उन्हें जमकर फटकार लगाई। हक ने कहा, 'इमरान खान और पाकिस्तान एक साथ काम नहीं कर सकते।' न्यूज के अनुसार, उन्होंने कहा, 'इस मुल्क में राजनीति में प्लस माइनस के लिए जगह नहीं है। सिर्फ इमरान खान की विदाई ही इसका एक मात्र उपाय है।'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ पाकिस्तान के विवादास्पद सौदे पर उन्होंने इमरान खान के लिए कहा कि वो अब अंतरराष्ट्रीय भिखारी बन गए हैं। उनकी सत्ताधारी सरकार भी मुल्क को संभालने के सक्षम नहीं है। गौरतलब है कि सिराज-उल-हक की ओर से इमरान खान की बेईज्जती वाला बयान उस समय सामने आया है जब पाकिस्तान की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान खान को 'सदी का संकट' बताया था और कहा था कि इमरान सरकार हर मोर्चे पर फेल हुई है।

उन्होंने कहा था, 'सरकार की IMF के साथ डील

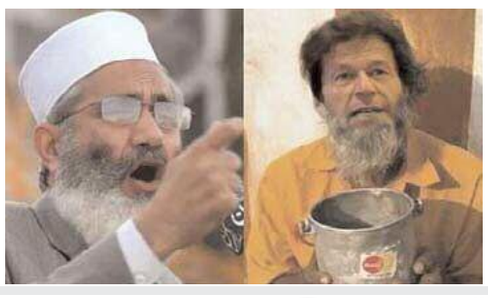

मुल्क पर भयावह प्रभाव डाल सकती है।' मालूम हो कि कुछ दिन पहले इमरान सरकार ने पाकिस्तान के लिए फिर से कर्ज लेने के लिए आईएफ की शर्तों को मानते हुए दो विधेयक पारित कराए थे। पहला विधेयक 360 अरब डॉलर के वित्तीय उपायों से जुड़ा है जिससे कई क्षेत्रों में बिक्री कर बढ़ेंगे। दूसरे बिल में SBP (स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान) को सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त कर दिया है। इसके साथ ही बैंक को मौद्रिक नीति तय करने का अधिकार भी मिल गया है। पाकिस्तान सरकार अब इसमें उन्हें कोई निर्देश नहीं दे पाएगी। अब इमरान सरकार के इसी फैसले पर विपक्ष आरोप लगा रही है कि इमरान सरकार के फैसलों से आम लोगों पर बोझ बढ़ेगा और इनकम टैक्स पर छूट से अमीर लोगों को राहत आएगी। बता दें कि आईएफएफ ने 6 अरब डॉलर देने के लिए 5 शर्तें रखी थीं। कर्ज की पहली किस्त देने के बाद आईएमएफ ने कहा था कि जब तक वो ये शर्त नहीं मानते तब तक उन्हें 1 अरब की अगली किस्त नहीं दी जाएगी।

चीन की डर्टी गेम: नेपाल को गुलाम बनाने के लिए चल रहा ऐसी चाल

बीजिंग। नेपाल और चीन के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, चीन लगातार नेपाल को गुलाम बनाने की कोशिश में लगा हुआ है जिससे नेपालवासी काफी नाराज हैं। नेपाल के उत्तरी इलाके में स्थित बॉर्डर पॉइन्ट चीन की तरफ से बंद किए जाने से नेपाल के लोग भड़के हुए हैं। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के.केपी ओली की सरकार ने साल 2015 और 2016 में चीन के साथ समझौते कर अपने सीमा खोलने का समझौता किया था, जिससे बॉर्डर के इस्तेमाल नेपाली लोगों के आने जाने के साथ साथ चीन के पोर्ट का इस्तेमाल कर दूसरे देशों का सामान आयत और निर्यात किया जा सके, लेकिन इसमें आवाजाही बाधित है। चीन ने नेपाल के सीमावर्ती इलाकों जिसमें हुमला, मस्तंग, गोरखा, रसुवा और दोलखा में नेपाली जमीन पर चीन ने अतिक्रमण कर रखा है। नेपाल के लोगो के मुताबिक, भैरहवा एयरपोर्ट पर चीन ने अपना झंडा फहराकर ये संदेश देने की कोशिश की है नेपाल उसके अधीनस्थ है। यही नहीं साल 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेपाल की अपनी यात्रा के दौरान ये भी कहा था कि नेपाल जिसे 'landlocked' देश माना जाता है हम उसे 'लैंड लिंक्ड' देश बनाएंगे। नेपाल के राष्ट्रपति बिद्या देवी भण्डारी की 2019 को चीन यात्रा के दौरान नेपाल ने चीन के साथ ट्रांसिट प्रोटोकॉल पर भी समझौता किया था, जिसके आर्टिकल 15 के मुताबिक, एक महीने के भीतर इस समझौते को लागू किया जाना था, लेकिन इस समझौते के कई महीने बीत जाने के बावजूद चीन ने अपने बॉर्डर पॉइंट पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेपाल से चीन के रास्ते अक्सर या तो बंद रहते हैं या फिर कई तरह के अंकुश के चलते नेपाल के लोगों के लिए चीन के रास्ते का उपयोग करना आसान नहीं है।

एडवांस्ड नी रिप्लेसमेंट प्रक्रिया से 61 वर्षीय अर्थराइटिस मरीज अपने पैरों पर खड़ा होने में सफल रहा

टोटल नी रिप्लेसमेंट गंभीर रूप से अर्थराइटिस से पीड़ित मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है

नई दिल्ली/गाजियाबाद। क्रोनिक अर्थराइटिस के कारण घुटने में गंभीर तकलीफ से पीड़ित 61 वर्षीय मरीज के दोनों घुटनों की वैशाली के एक अस्पातल में सफल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी हुई। सुभाष पिछले कई वर्षों से घुटनों के भीषण दर्द से पीड़ित थे। सर्जरी के डर से वह इलाज कराने में आनाकानी करते रहे और इस वजह से पिंडली की हड्डी में बोन मिनरल डेंसिटी भी खत्म हो चुकी थी जिस कारण घुटने की समस्या गंभीर हो गई थी।

टोटल नी रिप्लेसमेंट के क्षेत्र में आई तरक्की खासकर उन मरीजों के लिए वरदान साबित हुई है जो नी अर्थराइटिस के कारण गंभीर रूप से अपंग हो गए हैं। इस तरह की परेशानी अक्सर मरीज की लापरवाही के कारण ही उभरती है। शुरू में जोड़ों का दर्द उतना तकलीफदेह नहीं होता है लेकिन समय के साथ स्थिति बिगड़ती चली जाती है और दर्द भी बढ़ जाता है। इसके बाद ही मरीज इलाज की जरूरत महसूस करता है।

मैक्स सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल वैशाली में ऑर्थोपेडिक्स एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. अखिलेश यादव ने कहा, इस मरीज की लापरवाही उसके रोजमर्रा की गतिविधियों में होने वाली परेशानी से शुरू हुई थी। उसका घुटना धीरे–धीरे कमजोर पड़ने लगा और थोड़े अंतराल पर ही खड़ा होने या चलने–फिरने में उसे भयंकर दर्द होता था। कुछ दिन तक तो वह इस दर्द की अनदेखी करते रहे और जब स्थिति बिगड़ती चली गई तब डॉक्टर के पास इलाज के लिए पहुंचे। अर्थराइटिस बढ़ जाने के कारण उसके पिंडली की हड्डी भी बहुत कमजोर हो चुकी थी और इलाज के बिना यह ठीक नहीं हो सकती थी। लिहाजा ऑर्थोपेडिक्स टीम ने उसे टोटल नी रिप्लेसमेंट की सलाह दी। सर्जरी के बाद वह सामान्य रूप से चलने–फिरने लगे और बिना दर्द के उनकी जिंदगी फिर से सामान्य हो गई। शुरुआती चरण में ही जांच कराने के महत्व को समझना जरूरी है और इसी जांच से अनुकूल परिणाम देने वाले इलाज तय किया जाता है।

गंभीर अर्थराइटिस के कारण कुछ मरीजों को भयंकर दर्द और चोट जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सर्जरी से उनकी स्थिति बेहतर हो सकती है जो न्यूनतम शल्यक्रिया के साथ ही तेज रिकवरी और मरीज को सामान्य गतिविधियों में जल्दी लौटाती है। मरीज को घुटने की सामान्य स्थिरता के साथ लिगामेंट की सुरक्षा के कारण प्राकृतिक घुटने तरह ही नया घुटना मिल जाता है।

डॉक्टर का कहना है, उम्र बढ़ने के साथ घुटने की समस्या में तेजी आना सामान्य बात है लेकिन समय पर इसकी पहचान हो जाना और कंप्यूटर की सहायता से न्यूनतम शल्यक्रिया तकनीक के साथ टोटल नी रिप्लेसमेंट के क्षेत्र में आई तरक्की के कारण मरीज को बेहतर रिकवरी और अच्छी जीवन गुणवत्ता मिलने की राह आसान हो गई है। जिन मरीजों की अर्थराइटिस गंभीर श्रेणी में पहुंच चुकी है और जिन पर अन्य तरह के इलाज का असर नहीं होता है, उन्हें टोटल नी रिप्लेसमेंट से बड़ी राहत मिलती है जिसमें वे फिर सामान्य जीवन में लौट पाते हैं। यह सर्जरी बहुत कुशल विशेषज्ञों की निगरानी में कराने की भी जरूरत नहीं होती है और इससे मरीज को जल्दी दर्द से निजात तथा अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। मरीज पूरी तरह संतुष्ट होकर ही घर लौटता है।

अच्छी तरह प्रत्यारोपित किया गया घुटना न सिर्फ लंबे समय तक चलता है बल्कि न्यूनतम शल्यक्रिया के कारण रिकवरी में भी तेजी आती है। सर्जरी के बाद मरीज बहुत जल्दी यानी चार घंटे के बाद ही चल–फिर सकता है। टोटल नी रिप्लेसमेंट में आधुनिक तकनीक रियल–टाइम और 3–डी इमेजिंग देती है जिससे सर्जन को परिशुद्धता के साथ कट लगाने और बेहतर तथा सटीक स्थान पर प्रत्यारोपण के लिए मार्गदर्शन मिलता है। इसके अलावा इस तकनीक में किसी तरह की त्रुटि का भी जल्दी दिख जाती है और इसे दुरुस्त कर लिया जाता है। घुटनों की तकलीफ से पीड़ित उन मरीजों के लिए यह वरदान साबित हुई है जो घुटने का प्रत्यारोपण कराते हैं।

वकीलों के मोबाइल फोन से होने वाले व्यवधान पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमण की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने सोमवार को कई अधिवक्ताओं द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग के कारण डिजिटल सुनवाई के दौरान बार-बार व्यवधान पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उसे मोबाइल के माध्यम से सुनवाई में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाना पड़ सकता है।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ इस बात से नाखुश थी कि सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं की तरफ से ऑडियो या विजुअल अथवा दोनों में व्यवधान के कारण सोमवार को सूचीबद्ध 10 मामलों में सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। पीठ ने एक मामले में टिप्पणी की, वकील अपने मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए पेश हो रहे हैं और दिखाई नहीं दे रहे हैं। हमें इस मोबाइल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना पड़ सकता है। श्रीमान वकील आप अब सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रहे हैं और नियमित रूप से पेश हो रहे हैं। क्या आप बहस करने के लिए डेस्कटॉप (कंप्यूटर) नहीं रख सकते हैं? एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने वकील के दोषपूर्ण इंटरनेट कनेक्शन का संज्ञान लिया और कहा, हमारे पास इस तरह मामलों को सुनने की कोई ऊर्जा नहीं है। कृपया एक ऐसी प्रणाली तैयार करें जिससे हम आपको सुन सकें। ऐसे ही दस मामले खत्म हो गए हैं और हम चिल्ला रहे हैं।

शीर्ष अदालत मार्च 2020 से महामारी के कारण वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मामलों की सुनवाई कर रही है और बदलती महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर शर्तों में ढिलाई या सख्त करती रही है। शीर्ष अदालत ने दो जनवरी को देश में अचानक ही कोविड-19 के मामले बढ़ने का संज्ञान लेते हुए सात जनवरी से सारे मामलों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई करने का निर्णय लिया था। ए पीठ इस समय न्यायाधीशों के आवासीय कार्यालयों में बैठ रही हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता को अवैध निर्माण के चलते नोटिस जारी किया

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता को अवैध निर्माण के चलते दिल्ली हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और उनके रिश्तेदार दीपक गुप्ता, रजत गुप्ता अवैध निर्माण के काम में लिप्त हैं। आदेश गुप्ता को उनके और पार्टी के पद की वजह से फायदा पहुंचाया जा रहा है। आदेश गुप्ता की देखरेख में सारा गैरकानूनी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि आदेश गुप्ता का दो बिल्डर दीपक गुप्ता और रजत गुप्ता से क्या रिश्ता है। अगर अवैध निर्माण चल रहा था तो कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई है? बिजली का कनेक्शन कैसे दे दिया गया?

- दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और उनके रिश्तेदार दीपक गुप्ता, रजत गुप्ता अवैध निर्माण के काम में लिप्त हैं- दुर्गेश पाठक
- आदेश गुप्ता को उनके और पार्टी के पद की वजह से फायदा पहुंचाया जा रहा है, आदेश गुप्ता की देखरेख में सारा गैरकानूनी काम चल रहा है- दुर्गेश पाठक
- आदेश गुप्ता का दो बिल्डर दीपक गुप्ता और रजत गुप्ता से क्या रिश्ता है?- दुर्गेश पाठक
- अगर अवैध निर्माण चल रहा था तो कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई है, बिजली का कनेक्शन कैसे दे दिया गया?- दुर्गेश पाठक

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता को नोटिस जारी किया है। पार्षद आदेश कुमार गुप्ता द्वारा सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण का आरोप है। दिल्ली उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता अपने सहयोगियों के माध्यम से निजी/पार्टी कार्यालय के निर्माण के लिए पश्चिम पटेल नगर दिल्ली में अपने आवास के सामने सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण में शामिल हैं।

न्यायमूर्ति डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सोमवार को आदेश कुमार गुप्ता से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी, 2022 को होगी। याचिकाकर्ता वकील हेमंत चौधरी ने पार्षद से तत्काल पूछताछ करने के लिए अदालत से निर्देश देने मांग की। याचिका में कहा गया है कि अपनी शक्ति और पद का दुरुपयोग करते हुए पूर्व महापौर और दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष होने के नाते बिल्डर माफिया से भ्रष्टाचार कर करोड़ों रुपये कमाए हैं। याचिका में नगर निगम की भूमि पर अवैध अतिक्रमण पर स्थापित बिजली कनेक्शनों को तत्काल हटाने के लिए बीएसईएस यमुना सीईओ को निर्देश जारी करने की भी मांग की गई है।

आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी और वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर हुई। जिसके अंदर आरोप लगाए गए कि दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पार्षद आदेश गुप्ता और उनके रिश्तेदार दीपक गुप्ता और रजत गुप्ता अवैध निर्माण के काम में लिप्त हैं। इसके अलावा एक बिल्डर माफिया की तरह काम कर रहे हैं। आदेश गुप्ता को उनके और पार्टी के पद की वजह से फायदा पहुंचाया जा रहा है। उनको इसके अंदर करोड़ों रुपए का फायदा हो रहा है। उस जनहित याचिका के अंदर कुछ ऐसे पते दिए गए हैं जहां पर इस तरीके का अवैध निर्माण का काम चल रहा है। आदेश गुप्ता की सांठगांठ से और उनकी देखरेख के अंदर यह सारा गैरकानूनी काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि इस जनहित याचिका के अंदर मुख्य न्यायाधीश ने आदेश गुप्ता को नोटिस जारी किया है। इसकी अगली तारीख फरवरी के अंदर लगाई गई है। आदेश गुप्ता इसका जवाब दें कि उनका इन दो बिल्डरों दीपक गुप्ता और रजत गुप्ता से क्या रिश्ता है। उनके ऊपर यह आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। अगर अवैध निर्माण चल रहा था तो कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई है। बिजली का कनेक्शन कैसे दे दिया गया। आदेश गुप्ता अपनी स्थिति साफ करें, नहीं तो अपने पद से इस्तीफा दें।

सर्दी *दिल्ली में सर्दी से बचने के लिए आग से हाथ तापते हुए कुछ लोग।*

आज भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ में मुझे सह संयोजक का दायित्व दिया गया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता जी एवं श्री रमेश खन्ना जी का बहुत बहुत धन्यवाद।

विश्व यूनानी चिकित्सा विज्ञान दिवस अवॉर्ड की हुई घोषणा

■ नई दिल्ली

वर्ष 2011 में भारत सरकार द्वारा घोषित किए गए विश्व यूनानी चिकित्सा विज्ञान दिवस पर ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की ओर से हर साल विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिस में देश के जाने माने यूनानी चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वालों को विश्व यूनानी चिकित्सा विज्ञान पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है। इस बार 12 फरवरी को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित समारोह में घोषित जिन लोगों को पुरस्कार दिए जाएंगे उनमें प्रोफेसर तसनीम फातिमा, प्रो. वाइस चांसलर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया को प्रो. मोहम्मद शफी अलीग इंटरनेशनल अवॉर्ड, डॉ. आफताब अहमद, मेडिसिन विभाग जामिया हमदर्द, को डॉ. ए यू आजमी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, प्रो. विनोद चैतन्या, नोडल ऑफिसर कोविड-19, मेडिसिन विभाग, सफदरजंग हॉस्पिटल को हकीम अजमल खान इंटर नेशनल अवॉर्ड, डॉ. मोहम्मद जाकिर, रिसर्च ऑफिसर यूनानी, सीआरआईयू एम. हैदराबाद को हकीम सयानतुल्लाह अमरोहवी अवॉर्ड, डॉ. मोहम्मद अफसहुल कलाम, रिसर्च ऑफिसर आरआरआईयू एम श्रीनगर को हकीम अल्लामा कबीरूद्दीन इंटर नेशनल अवॉर्ड, को इब्ने सीना इंटरनेशनल अवॉर्ड, डॉ. अब्दुर्रहीम प्रभारी यूनानी मेडिकल सेंटर डॉ. आरएमएल हॉस्पिटल को हकीम अब्दुर्रज्जाक इंटरनेशनल अवॉर्ड, डॉ. शब्बीर अहमद, एनाटमी विभाग आदि को अवॉर्ड में शामिल हैं।

महामारी के दौर में इस्कॉन के हेल्पलाइन से मिल रहा संबल

नई दिल्ली। महामारी के इस दौर में निराशा स्वाभाविक है। हमें समझना होगा कि प्रकृति के बेतहाशा दोहन का ही परिणाम मानव समाज को महामारी के रूप में मिल रहा है। इस निराशा के दौर में लोगों को संबल देने के लिए इस्कॉन द्वारका ने परामर्श हेल्पलाइन स्थापित की है।

परामर्श हेल्पलाइन नंबर 9971766666 पर कोई भी व्यक्ति निशुल्क परामर्श ले सकता है। इस्कॉन ने मानसिक तनाव से निपटने के लिए सेमिनार भी आयोजित किया था। व्यक्ति उम्र भर इंद्रियों के भोग में लगा रहता है और उसे ही जीवन का परम लक्ष्य मानता है। वह अंत समय तक इसी सोच में रहता है। जीवन के लिए वह अनेक योजनाएँ बनाता रहता है, जो कभी समाप्त नहीं होतीं और मृत्यु का बुलावा आ जाता है। प्रकृति के समक्ष व्यक्ति का वश नहीं चलता है। इस्कॉन परामर्श हेल्पलाइन लगातार जरूरतमंद लोगों को उनकी व्यवस्थित परामर्श प्रणाली के साथ सहायता कर रही है जिसमें लोगों के रोजमर्रा के जीवन में छोटी-मोटी समस्याओं को सुलझाने और स्थायी तौर पर उनके जीवन में खुशियाँ लाने का प्रयास किया जाता है ताकि लोग अपनी खोई हुई पहचान वापस पा सकें। इसी कड़ी में मंदिर द्वारा संचालित डीवाईपीएच (डिस्कवर योर परमानेंट हैप्पीनेस) कार्यक्रम से भी जुड़ा जा सकता है। इसमें लोगों को अध्यात्म की आधारभूत जानकारी दी जाती है जैसे पूर्ण खुशी की खोज, क्या भगवान सच में होते हैं, भगवान कौन हैं, मैं कौन हूँ, अच्छे लोगों के साथ बुरा क्यों होता है, आधुनिक युग के लिए कौन-सी योग पद्धति काम आती है, आदि विषयों के बारे में विस्तार से बताया जाता है।

निर्देश *कोविड से प्रभावित बेसहारा बच्चों की पहचान के लिए एसजेपीयू, डीएलएसए की मदद ली जाए*

कोविड प्रभावित बेसहारा बच्चों की पहचान के लिए दिए निर्देश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि कोविड-19 महामारी से प्रतिकूल रूप से प्रभावित सड़कों पर जीवन गुजार रहे बेसहारा बच्चों की पहचान करने और उनके पुनर्वास के कार्यों के लिए अविलंब विशेष किशोर पुलिस इकाइयों (एसजेपीयू), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और स्वैच्छिक संगठनों का सहयोग लें। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि सड़कों पर रहने वाले बेसहारा बच्चों की समस्या सर्दियों में और बढ़ गई होगी और ऐसी स्थिति में राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उन्हें आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। पीठ ने कहा, चूंकि इस अदालत ने पहले ही बच्चों की पहचान और पुनर्वास के बारे में दिए गए निर्देशों के अमल पर अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जा सकती, हम सभी जिलाधिकारियों को बिना कोई और देरी के सड़कों पर रहने वाले बेसहारा बच्चों की पहचान में डीएलएसए और स्वैच्छिक संगठनों को शामिल करने का निर्देश देते हैं। जिलाधिकारियों को यह निर्देश भी दिया जाता है कि वे सभी चरणों की सूचना राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (बाल स्वराज) के वेब पोर्टल पर अपलोड करें। शीर्ष अदालत, उन बच्चों के बारे में स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रही थी जो अपने माता-पिता में से एक या दोनों को खोने की वजह से महामारी से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं। शीर्ष अदालत ने साथ ही एनसीपीसीआर के मार्गदर्शन में राज्यों को उनकी पहचान के बाद पुनर्वास के लिए एक नीति तैयार करने और उन्हें तीन सप्ताह के भीतर स्थिति

रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का निर्देश दिया कि वे बच्चों की पहचान और पुनर्वास में देरी न करें। एनसीपीसीआर की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने शुरूआत में कहा कि कई राज्यों ने बाल स्वराज पोर्टल पर सड़क पर रहने वाले बेसहारा बच्चों का विवरण अपलोड नहीं किया है। दिल्ली के संबंध में शीर्ष अदालत ने उल्लेखित किया कि जहां पहले 70,000 बच्चों की पहचान की गई थी, वहीं आप सरकार ने अब कहा है कि उसने केवल 428 बच्चों की पहचान की है। पीठ ने कहा, यह कोई सामान्य मामला नहीं है। सड़कों पर रहने के दौरान इन बच्चों को काफी दिक्कत होगी। ऐसे बच्चे हैं जिनकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं है। देश के उत्तरी भागों में बच्चों की स्थिति बदतर होगी। ज़रा सोचिए कि वे सड़कों पर कैसे जी रहे हैं। आपको उन्हें तुरंत रेन बसेरों , आश्रय गृहों में स्थानांतरित करना होगा। यह आपका कर्तव्य है। हमें आपको यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यह करिए, वह करिए। तुरंत कार्वाई करें। यह एक महीना बहुत मुश्किल है। उन्हें तुरंत आश्रय गृह में ले जाया जाए। शीर्ष अदालत ने राज्यों की इस दलील पर भी नाराजगी जताई कि कोविड के कारण सड़क पर रहने वाले बच्चों की पहचान की गति धीमी है। पीठ ने कहा, हम वास्तविकता से दूर नहीं भाग रहे हैं और हम जानते हैं कि देश में कोविड की तीसरी लहर में है और अधिकारी स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश में व्यस्त हो सकते हैं लेकिन बच्चों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इस मामले में कोविड एक बहाना नहीं हो सकता है। उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने शीर्ष अदालत को बताया कि राज्य के पांच जिलों में गैर सरकारी संगठनों ने लगभग 30,282 बच्चों की पहचान की है।

एक जनवरी से अब तक ढाई हजार पुलिसकर्मी कोविड संक्रमित

नई दिल्ली। दिल्ली में एक जनवरी से अब तक 2500 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए, जबकि इनमें से 767 ठीक होकर काम पर वापस आ चुके हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) और दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता चिन्मय बिस्वाल भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे, लेकिन फिलहाल वह स्वस्थ हो कर काम पर लौट आए हैं। इस अधिकारी ने यह भी बताया कि कोविड-19 से संक्रमित ज्यादातर पुलिसकर्मी ठीक होकर दिन प्रतिदिन के काम पर लौट रहे हैं। दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी बिस्वाल ने कहा, एक जनवरी से अब तक करीब 2500 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से 767 पुलिसकर्मी संक्रमण से उबरने के बाद काम पर लौट चुके हैं।

भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कार्यकर्ताओं के साथ मास्क और सैनिटाइजर बांटकर कोरोना के प्रति किया जागरूक

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कार्यकर्ताओं के साथ सरिता विहार में दुकानदारों व राहगीरो को मास्क बाटकर जागरूक किया और कोरोना उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की अपील की। और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकसित कोरोनारोधी टीके का ही परिणाम है कि लोग एक सप्ताह में कोरोना से ठीक हो रहे है और अब यह घातक कम है। मौके पर मण्डल अध्यक्ष पवन पांडे, दिलीप शर्मा, रवी प्रताप, रमेश यादव जन्मेजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने विश्व के सबसे प्रभावी और तीव्र गति के कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। और कहा कि प्रधानमंत्री के सतत निगरानी से दिल्ली में 2 करोड़ 85 लाख के लगभग लोगो को कोरोना रोधी टीका सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व में देश के सुदूर इलाकों जहां इंसानों का पहुंचना मुश्किल था वहां भी टीकाकरण करवाया।

भगदड़ की राजनीति और राजनीति में भगदड़

ब्राह्मण असंतोष का नैरेटिव नहीं चला तो खुद ही भाग खड़े हुए

संजय तिवारी वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण उपेक्षा का बड़ा नैरेटिव बनने की बहुत कोशिश हुई। इनको लगता था कि इन्ही की तरह ब्राह्मण जाति उतरेगी और ब्राह्मण कंधे के सहारे ये फिर सत्ता की मलाई पा जाएंगे। ऐसा पहले दो बार हो चुका है। एक बार मायावती जी के साथ और एक बार अखिलेश यादव से उम्मीद में। लेकिन वे हालात अलग थे। ब्राह्मण जाति कोई ऐसा समूह नही हैं जिसे कभी भी कोई रजानीतिक समूह खरीद और बेंच सके। याद कीजिये, एक ब्राह्मण शिक्षक ने विश्व विजय पर निकले सिकंदर को किस तरह भारत की सीमाओं में प्रवेश से रोक दिया और विवश सिकंदर अपनी कन्या सौप कर पलायन को विवश हुआ और स्वदेश की धरती तक भी नहीं पहुच सका, रास्ते मे ही पराजित सेना को छोड़ काल कवलित हो गया। उस समय विजयी शिक्षक ने अपने शिष्य चंद्रगुप्त मौर्य को सिकंदर की कन्या और भारत का सिंहासन , दोनो ही सौप दिया था। उस शिक्षक चाणक्य नेसिकंदर से मुकाबले के लिए भारत के सबस शक्तिशाली राज्य मगध से मदद मांगी थी लेकिन मगध नरेश नंद ने इस पर उस शिक्षक का कितना अपमान किया था, इतिहास और राजनीति के जानकार इस तथ्य को जानते हैं।

यहां यह उल्लेख इसलिए आवश्यक लगा क्योकि जो ब्राह्मण विरोध का नैरेटिव बनाकर उत्तर प्रदेश को फिर असुरक्षा और अराजकता में झोंक कर सत्ता सुख लेना चाहते थे, वह नहीं हो सका। राज्य सभा के मुख्य सचेतक शिवप्रताप शुक्ल के नेतृत्व में एक समिति बनाकर भाजपा ने इस नरेरिव को ठीक से परखने की कोशिश की। शिव प्रताप शुक्ल भाजपा के बहुत पुराने और बड़े नेता हैं। जाति से ब्राह्मण ही हैं। उसी शहर से आते हैं जहां से योगी आदित्यनाथ जी आते हैं। प्रदेश और केंद्र में मंत्री रह चुके हैं। उत्तर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। सरकार और संगठन दोनों का उनके पास पर्याप्त अनुभव है। ऐसे में जब सरकार और संगठन के साथ भाजपा का आंतरिक मूल्यांकन शुरू हुआ तो बहुत से तथ्य भी सामने आए। प्रदेशभाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी, लक्ष्मीकांत बाजपेयी, राज्यसभा मे डॉ सुधांशु त्रिवेदी, डॉ सीमा द्विवेदी , डॉ रीता बहुगुणा जोशी , प्रदेशके उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा, बेसिक शिक्षामंत्री डॉ सतीश द्विवेदी, कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक, जितिन प्रसाद जैसे अनेक बड़े नाम हैं जिनको ब्राह्मण नेता माना जा सकता है।

अब यह प्रश्न उठाना स्वाभाविक है कि आखिर

यूपी चुनाव में क्यों अहम माने जा रहे हैं ब्राह्मण मतदाता । इसके लिए प्रदेश के जातीय संरचना पर गौर करना जरूरी है। उत्तर प्रदेश में करीब 14 से 17 फीसदी तक ब्राह्मण वोटबैंक माना जाता है। सभी सियासी दलों की इस पर नजर रहती है। राजनीतिक लोग जानते हैं कि दरअसल ब्राह्मणों का समर्थन किसी भी पार्टी के लिए राहें आसान करता है, उसका अहम कारण यह है कि बाकी जातियों की तुलना में ब्राह्मण जाति ज्यादा मुखर मानी जाती है। इस बार भी अगर देखें तो समाजवादी पार्टी से लेकर बहुजन समाज पार्टी प्रबुद्ध सम्मेलन कर रही है, वहीं प्रियंका गांधी भी लगातार योगी सरकार पर ब्राह्मणों के उत्पीड़न को मुद्दा बनाती रही हैं। अब कमेटी बनाकर और कार्यक्रम पेश कर बीजेपी की कोशिश है कि इस समुदाय में ये संदेश जाए कि उनकी भलाई के लिए पार्टी ने कोशिशें की हैं। शिव प्रताप शुक्ल और उनके साथ जोड़े गए युवा भाजपा के पूर्व महामंत्री अभिजात्य मिश्र एवं अन्य लोगो ने इस दिशा में अपने अपने ढंग से कार्य भी किया है जिसका परिणाम यह हुआ है कि भाजपा से कोई ब्राह्मण कटा नही बल्कि जुड़ने वालों की लंबी कतार है। पूर्वांचल क्रांति परिषद के पूर्व अध्यक्ष और लगतार शिक्षक राजनीति से जुड़े पूर्वांचल के कद्दावर ब्राह्मण नेता डॉ संजयन त्रिपाठी ने अभी कल ही भाजपा की सदस्यता ली है। बसपा के बड़े नेता रामवीर उपाध्याय ने भी इस्तीफा देकर इधर का ही रूख किया है।

यूपी की सियासत में ब्राह्मणों के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मंडल आंदोलन से पहले प्रदेश में 6 ब्राह्मण मुख्यमंत्री बने। हालांकि मंडल आंदोलन के बाद यूपी की सियासत पिछड़े, मुस्लिम और दलित पर केंद्रित हो गई। हालांकि प्रदेश में किसी दल ने कभी ब्राह्मण को कभी वोट बैंक नहीं माना। लेकिन 2007 में मायावती ने पहली बार बहुमत की सरकार बनाई तो दलित-मुस्लिमों के साथ ब्राह्मण सोशल इंजीनियरिंग सामने आई। मायावती की इस जीत में ब्राह्मण वोट बैंक का विशेष योगदान माना गया और बीएसपी से 41 ब्राह्मण विधायक चुने गए। इसके बाद 2012 में अखिलेश मुख्यमंत्री बने तो 21 ब्राह्मण विधायक सपा के पास थे लेकिन इसके बाद 2014 के बाद मोदी लहर में ब्राह्मण वोट बैंक बीजेपी के साथ हो गया और 2017 में इसका असर ये रहा है बीजेपी की प्रचंड जीत में 46 बीजेपी से विधायक हुए। फिर 2020 में कानपुर के विकास दुबे एनकाउंटर के बाद सोशल मीडिया पर एक तबके ने योगी सरकार को कटघरे में खड़ा करना शुरू किया। यही नहीं कांग्रेस, सपा, बसपा से लेकर तमाम विपक्षी दलों ने बीजेपी पर ब्राह्मण विरोधी होने का आरोप लगाना शुरू कर दिया।

अब यह तो साफ हो गया है कि जो भी लोग भाजपा से ब्राह्मणों की नाराजगी की हवा बहा रहे थे उनकी योजना विफल हो गयी है। उपर से स्वामी प्रसाद मौर्य के कल सपा के मंच से दिए गए भाषण ने बहुत बड़ा काम किया है। उनकी बदजुबानी और टिप्पणियां वाइरल हो रहीं हैं जिससे समाज मे उनके प्रति बहुत ही अलग प्रकार की धारणा बन गयी है। दरअसल राजनीति के ये जातीय नुमाइंदे यह जान ही नहीं रहे कि कॉग्रेस ने इसी समुदाय को केंद्र में लेकर लंबे समय तक शासन किया। यदि कोई सत्ता बदली तो उसमें इसी समाज ने आगे की भूमिका निभाई। इस समाज को भली प्रकार से पता है कि उत्तर प्रदेश के लिए क्या सही और क्या गलत है।

वैश्विक कट्टरवाद बनाम वैश्विक शांति, हमें आतंकवाद से छुटकारा क्यों नहीं मिल रहा है?

तरुण कुमार

कई धार्मिक कट्टरपंथी समय-समय पर खड़ै। होते रहे हैं । और अपने स्वयं के हितों को साधने के लिए, कई देश भीइन कट्टरपंथी समूहों का समर्थन पहले भी करते रहे हैं औरआज भी कर रहे है, जैसे कि अमेरिका ने तालिबान औरअलकायदा को खड़ा किया शीत युद्ध के समय, यूरोप केकुछ देश जैसे फ्रांस और यूके ने अफ्रीका में बोको हराम का समर्थन किया। और आज दुनिया में स्थिति ऐसी हो गई हैकि कट्टरपंथियों का समूह न केवल कट्टरवाद औरआतंकवाद की मदद से पूरी दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ारहा है। बल्कि, कट्टरपंथी शासन स्थापित करने की दिशा मेंभी आगे बढ़ रहे हैं। और हाल ही में जिस तरह से अचानकअमेरिका ने अफगानिस्तान से हाथ खींच लिया, उसकानतीजा यह हुआ कि आज फिर से अफगानिस्तान तालिबानके कब्जे में आ गया और वहां तालिबान उस दिशा में आगेबढ़ने की कोशिश कर रहा है, जहां एक कट्टरपंथी शासनकी स्थापना की जा सके। कट्टरपंथियों ने कट्टरवाद को फैलाने और जनता को आकर्षित करने के लिएप्रमाणीकरण और पुनर्स्थापन के वादे के साथ एक तरह कीमनोवैज्ञानिक अपील करते है. मनोवैज्ञानिक रूप से अपीलकरने के लिए, कट्टरपंथी धर्म की चयनात्मक व्याख्या कीमदद लेते हैं। जिससे लोगों का विरोध करना काफीमुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, कट्टरपंथी पुनर्स्थापनप्राप्त करने के लिए एक व्यापक और निरंकुश कठोरप्रणाली का पालन करते हैं। और लोगों को पुरोत्सहितकरते है, अत्यदिक पर्तिबध होने के लिए। अत्यदिक पर्तिबधके बढावे के कारण कट्टरपंथी समर्थको और गैर समर्थकोके बीच एक घरी वैचारिक खाई बन जाती है। जिसकेपरिणाम में कट्टरपंथी शासन व्यवस्था में गैर समर्थको कोउनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जाता है। जो किचरमपंथ और आतंकवाद को फलने-फूलने में मदद करताहै। जो कि मानवता और शांति के खिलाफ एक दुष्चक्र कोजन्म देता है। दुनिया के सामने चरमपंथ, आतंकवाद औरविस्तारवाद आज के समय में एक मुख्य समस्या के रूप मेंउभर कर खड़ी हो चुकी है। क्युकि कट्टरपंथी विचारधारा केसमर्थक चरमपंथ और आतंकवाद को यह कह कर उचितठहराते है यह एक holy war है। जिस वजह से कुछ मतभेदो के बावजूद भी कट्टरपंथी गुट एक दुसरे किगतिविधियों से प्रभावित होते है। जिसका उल्लेख samuel hunting-ton ने भी अपनी पुस्तक ष्युद्धृह्यद्ध श्वद्ध civilisation में विस्तार से किया है। और जब हमइतिहास के पनो को पलट कर देखते है तोह कुछ ऐसा हिहमे देखने को मिलता है। उधारण के रूप में अगर देखे तोहअल-कायदा ने अपनी सभी आतंकवादी गतिविधियों holy war का नाम दिया और 2003 में जब सद्दाम हुसैन कातख्तापलट करने के लिए Anti iraq coalition को बनाया, जिसको आधिकतर कट्टरपंथी गुटों और मुस्लिमदेशों ने पश्चिमी साम्राज्यवाद के रूप में देखा जिसकापरिणाम यह हुआ कि 2003 में सद्दाम हुसैन के पक्ष मेंमोरोको से चीन तक रैलीयां हुई जिनमे सद्दाम हुसैन को एकमुस्लिम हीरो के रूप में पेश किया गया। हलाकि शासनपरिवर्तन और Ak युद्धों के माध्यम से मुस्लिम देशों मेंअमेरिकी हस्तक्षेप ने दुनिया में नए संघर्षो को जन्म दियाजिसको हम पुस्तक के अगले भाग में समझ सकते है। दुनिया विभिन भागो में आज के समय में हम देख सकते हैकैसे इन कट्टरपंथी गुटों कि ताकत बढ़ रही है और कईजगह तोह इनके नियंत्रण में क्षेत्र भी बढ़ता जा रहा है जैसेकि अफ्रीका में बोको हराम और अफ़ग़ानिस्तान मेंतालिबान लगातार विस्तार कर रहे है। इसका मुख्यरूप सेसिर्फ एक मात्र कारण यह है कि जब भी कोई कट्टरपंथीगुटों किसी तरह कि आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देताहै और सत्ता पाने में कामयाब हो जाते है तोह ये फिर बढेपैमाने पर युवाओ का radicali-sation (कट्टरपंथी बनाना) करने का काम करते है जो दुनियाभर के तमाम कट्टरपंथीसंगठनों का होसला बढाता है। और इस दूरगामी प्रभाव(Domino effect) कि वजह से चरमपंथ और आतंकवादपर अंकुश लगाना दुनिया के लिए एक बढ़ी समस्य बन गईहै। साथ हि साथ आज के समय में कट्टरपंथी संगठन इसस्तर पर है कि उनकी राजनीतिक भागीदारी भी दुनिया केबहुत से हिसो में है जिसके माध्यम से कई देश अपने हितोको साधते है। और जिसकी कीमत मानवता और विश्वशांति के रूप में पूरी दुनिया को चुकानी पढ़ती है। चरमपंथऔर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता ना होने के कारणसमय के साथ कट्टरपंथी संगठनों का प्रभाव बढ़ता जाता है।

उधारण के रूप में अगर हम देखे, अफ़ग़ान-सोवियत युद्ध मेंअफ़ग़ान मुजाहिदीन जो आगे चल कर तालिबान बन गयाउसकी मदद उस समय में अमेरिका ने कि ताकि सोवियतसंघ अफ़ग़ानिस्तान में अपना वर्चासव ना खड़ा कर ले। ऐसाहि कुछ हमे भारत में देखने को मिलता है। भारत मेंआतंकवाद के माध्यम से अराजकता को फ़ैलाने के लिएपाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क, जैस-ए-मुहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों कि मदद करता है। नासिर्फ इतना हि कुछ देश दुसरे देशो में भी कट्टरपंथी संगठनोंको पनपने में भी मदद करते है ताकि वो उस देश कि विदेशनीति पर असर डाल सके। इसको समझने के लिए एकनज़र हम बांग्लादेश पर अगर डाले, तो हमे देखने कोमिलता है किस तरह से बंगलादेशी अल्पसंखयकों परलगातार हमले होते है. पाकिस्तान कि मदद से बांग्लादेश मेंस्थापित कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामीअल्प्संखयकों पर हमले कि गतिविधियों को अंजाम देतारहा है. इस हि साल के अक्टूबर महीने में माँ दुर्गा पूजा केपर्व पर जमात-ए-इस्लामी गुट ने बांग्लादेश के कुमिल्लानामक शहर में माँ दुर्गा पूजा के लिए लगे पंडालो कितोड़फोड़ कि। अब सवाल यह उठता है कि इस तरह किघटनाओ से विदेश नीति पर असर कैसे पढता है? इस तरहघटनाओ को अंजाम दिलवा कर पाकिस्तान, भारत औरबांग्लादेश के बीच भविष्य में होने वाले विकासात्मक औरआर्थिक समझौतो को पटरी से उतरने का प्रयास करता हैजैसे कि जल्दी हि भारत और बांग्लादेश एक आर्थिकसमझौत करने वाले जिससे भारत और बांग्लादेश के बीचहोने वाला द्विपक्षीय व्यापार लगभग 9 बिलियन से बढ़कर 15 बिलियन के पार जा सकता है। इसी के साथसाथ ये कट्टरपंथी संगठन जातिय संहार (ETHNIC CLEANSING) को भी अंजाम देते है जिसकी पुष्टि इसबात से होती है। 2001 में, खालिदा जिया के नेतृत्व मेंबीएनपी की चुनाव में जीत के बाद, उनके समर्थकों नेलगभग 150 दिनों तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का एकव्यवस्थित अभियान चलाया था। और बांग्लादेशीअल्पसंख्यक समुदायों को एक व्यवस्थित जातीय संहारकि पुष्टि संयुक्त राष्ट्र (Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights) 201। कि रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बांग्लादेशीअल्पसंख्यकों कि जनसंख्या 1951 में 23% से घट 9% पर आ गई है। भविष्य में यह समस्या और भी विकट होनेवाली है इस बात अनुमान ढाका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉअबुल बरकत कि 2016 रिपोर्ट से लगाया जा सकता है. डॉ अबुल बरकत अपनी रिपोर्ट में लिखते है कि अगरबांग्लादेशी अल्पसंख्यकों का निष्क्रमण इसी रफ़्तार सेचलता रहा तो आने वाले 30 साल में बांग्लादेश मेंअल्पसंख्यक(मुख्यता हिन्दू) ना के बराबर रह जाएगे। दुनियाभर में कट्टरपंथी संगठनों के निशाने पर अक्सरअल्पसंख्यक, धार्मिक अल्पसंख्यक और प्रवासी रहते हैजिस वजह से विवादित क्षेत्रों भारी सख्या में लोग प्रवासकरना शुरू करते हैं जिस के परिणाम में परिणामस्वरूपसीमावर्ती देश शरणार्थी संकट का सामना करते हैं जिसकेपरिणामस्वरूप सीमावर्ती देश शरणार्थी संकट का सामनाकरते हैं जैसे कि म्यांमार में रोहिंग्या संकट नेम्यांमार,बांग्लादेश और भारत को ना सिर्फ परभावित कियाबल्कि तीनो देशो को आमने-सामने खड़ा कर दिया , ऐसाकि हमे यूरोप में मध्य पूर्व के देशों से लोगों के प्रवास देखनेको मिलता है यूरोप के बहुत से हिस्सों में तोजनसांख्यिकीय परिवर्तन भी देखने को मिल रहे मुख्य रूपसे सीरियाई संकट के कारण। यह कट्टरवाद और चरमपंथके विषाक्त प्रभाव को दिखाता है और कई समस्याओं काएक दुष्चक्र बनाता है।

आतंकवाद और शरणार्थी संकट जुड़े होने कि वजह सेपिछले एक दशक में विश्व में शरणार्थी संकट अधिक तीव्रहुआ है जिसको हम नीचे दिए गए ग्राफ़ो से समझ सकते हैकैसे आतंकवाद बढ़ने से शरणार्थी संकट भी समानांतर बड़ाहै। कट्टरवाद के बढ़ते प्रभाव को समझने के लिए अगर हमदो कट्टरपंथी संगठन आईएसआईएस (ISIS) और बोकोहराम (BOKO HARAM)का आकलन करे तो हमआसानी से कट्टरपंथी संगठनो की व्यापकता को समझसकते है। विश्व में आतंकवाद और उग्रवाद के कारण होनेवाली कुल मौतों में से 51त्र मौते प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूपसे आईएसआईएस (ISIS)और बोको हराम (BOKO HARAM)की आतंकवादी गतिविधियों के कारण हुई हैं।पश्चिमी अफ्रीका में स्थित इस्लामिक स्टेट का औपचारिकनाम ÷जमात-ए एहले सुन्नी लिदावती वल जिहाद÷ है, आमतौर पर इसे बोको हराम के नाम से जाना जाने वालाएक जिहादी संगठन है। बोको हराम नाइजीरिया के साथसाथ चाड, नाइजीरिया और उत्तरी कैमरून में भी सक्रीय है, जो कि बोको हराम कि व्यापकता को दर्शा रहा है। 1990 के दशक के अंत में लोकतंत्रीकरण की लहर अपने चरम परथी। और एक लोकतांत्रिक ढांचे के लिए सबसे पहली बातजो दिमाग में आती है वह यह है कि देश का संविधान क्याहोगा। संविधान की अवधारणा को बोको हराम केसंस्थापक मोहम्मद युसूफ द्वारा नाइजीरिया केपश्चिमीकरण के रूप में लोगों के सामने प्रस्तुत किया। औरबोको हराम ने मांग राखी कि नाइजीरिया में बोर्नु साम्राज्यकि तरह शासन होना चाहिये, जिसका आधार था शरीयत कानून 2009 में मोहम्मद युसूफ कि मौत के बाद युवाओको कट्टरपंथ की ओर संगठित करने कम होने लगा औरफिर बोको हराम आतंकवादी गतिविधियो में सक्रीय होगया। जिस वजह से जो देश अफ्रीका का सबसे बड़ीअर्थव्यवस्था के रूप खड़ा हो कर, पुरे अफ्रीकी महाद्वीप कोप्रगति कि राह दिखा सकता था। परन्तु कटरवाद काशिकार बनने के कारण 2019 के आंकड़ो के हिसाब सेनेशनल ब्यूरो ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, 82 मिलियनसे अधिक नाइजीरियाई एक दिन में .1 से कम पर रहतेहैं। नाइजीरिया में, कुल आबादी का 40.1 प्रतिशत गरीबके रूप में वर्गीकृत किया गया था। दूसरे शब्दों में, नाइजीरिया में औसतन दस में से चार व्यक्तियों कावास्तविक प्रति व्यक्ति व्यय (REAL PER CAPITA EXPENDITURES) 131,430 नायरा (352 डॉलर) प्रति वर्ष से कम है। सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि इसमेंबोर्नो को शामिल नहीं किया गया है, जो दशकों से चले आरहे बोको हराम सशस्त्र विद्रोह से सबसे बुरी तरह प्रभावितराज्य है, क्योंकि वहां के कई इलाकों तक पहुंचना सुरक्षितनहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बोर्नो और हमलों सेप्रभावित दो पड़ोसी राज्यों में कुल लगभग आठ मिलियनलोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। सांख्यि की कार्यालय ने कहा कि देश के शहरी हिस्सों में 18 प्रतिशतकी तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में 52 प्रतिशत लोग गरीबी मेंरहते हैं। कुछ इसी तरह के हालत हमे मध्य पूर्व और दुनियामें जहा भी आतंकवाद और उग्रवाद का परभाव होता है।

इस तथ्य के बावजूद, कि मानवता की मृत्यु की कीमत परआतंकवाद फल-फूल रहा है। तो सबसे बड़ा सवाल यहउठता है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए देश एकसाथ क्यों नहीं आ रहे हैं? इस प्रश्न का उत्तर सभीआतंकवादी समूहों पर लागू होता है। और उत्तर यह है किदुनिया के विकसित देशों का रवैया अवचनबद्ध (NON-COMMITTAL) रहता है।उधारण के तोर पर, बोको हरामके विरोध चल रही लड़ाई पर, नाइजीरिया यूनिवर्सिटी केप्रोफेसर डॉ. जे. तोचुकवु ओमेनमा (Dr. J. Tochukwu Omenma) कहते है कि फ्रांस के आर्थिक हित होने किवजह से, जैसे कि चाड झील के पास से तेल और यूरेनियमका निष्कर्षण करने के लिए फ्रांस बोको हराम के विरोध मेंखुल कर सामने नहीं आता। इसी तरह के हित बहुत सेविकसित देशो के अलग-अलग कट्टरपंथी संगठनो के साथहोने के कारण, वो देश इनके साथ खड़े होते है औरकट्टरपंथी संगठनो को फल-फूलने के लिए आर्थिक मददभी करते है जिससे नतीजतन कट्टरपंथी संगठनो किव्यापकता बढती ररहती है और मानवता शर्मसार होती है।

कथक सम्राट पंडित बृजमोहन नाथ मिश्र 'बिरजू महाराज' नहीं रहे

राघवेंद्र दुबे भाऊ

(रविवार 16 जनवरी को) संकट मोचन के महंत और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आइआइटी में इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष और प्रोफेसर आदरणीय पंडित विश्वम्भर नाथ मिश्र जी से देर शाम तकरीबन 8.35 बजे बात हुई थी । हमें क्या अंदेशा था कि एक जगमग सितारे का अवसान भी सुनना होगा बस कुछ ही देर बाद । बताया जाता है कि पंडित बिरजू महाराज कल रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात करीब 12ः00 बजे तक अपने नाती - पोतों के साथ अंत्याक्षरी खेल रहे थे ।अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गए । उन्हें दिल्ली के साकेत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया ।

महाराज जी ले लीजिए मेरी ओर से भी विनम्र श्रद्धांजलि

हर साल के संकट मोचन वैश्विक संगीत महोत्सव में पंडित जी का भी आना तय होता था । मैं भी तकरीबन 1990 से हर साल , कहीं रहूं , संकट मोचन संगीत महोत्सव कवर करने जरूर जाता रहा । एक - दो बार तो मेरे साथ मन्नू दुबे जी भी रहीं और बिरजू महाराज जी से उनकी भी मुलाकात प्रो. मिश्र के तुलसी घाट वाले आवास पर की है ।

कहीं पढ़ा था कवि , कलाविद् और लेखक अशोक वाजपेयी जी को । उन्होंने लिखा था -- नृत्य हमें सिखा सकता है कि हमारी देह वस्तु भी है , विषय भी । वह हमें अपनी देह से वहां ले जा सकता है , जहां हमारी कल्पना के लिए काया में मुक्त विचरण करने का अवकाश हो । वह बताता है कि हम अकेले नहीं है । हमारी देह में सकल ब्रह्मांड व्याप्त है ।

मन्नू दुबे जी याद है न , सामने , हां भगवान हनुमान के विग्रह के ठीक सामने वाले मंच पर अब बिरजू महाराज जी थे । संकट मोचन संगीत महोत्सव के पहले दिन की पहली प्रस्तुति उन्हीं की थी (अप्रैल 2015) । बिंब , प्रतीक , ध्वनि सब नृत्य के लिये तैयार । कोई कविता चेहरे की भंगिमाओं में और लय देह में थिरकने को ही थी ।

बिरजू महाराज की कथक प्रस्तुति शुरू थी -- मंगल मूरति मारुति नन्दन । वे नृत्य के साथ - साथ बोलते जा रहे हैं -- आकाश मेरा ताल और तारे सुर हैं । सृष्टि की हर चीज में लय बसी है । चिड़िया अपने बच्चों को दाना दे रही है , इसमें अदभुत लय है ।.. सब्जी , पूड़ी , कचौड़ी , हलवा ला दे ..दे...दे ..तत था थई ..ता ..ता , खाना बनाना , परोसना सबमें लय है । बचपना , जवानी , बुढापा सभी नृत्य की भंगिमाओं में साकार होते हैं । पेड़ ..पौधे .. फूल , पत्ती सबमें नृत्य है ..तितत , तकद , तकद..प्रकृति के पोर - पोर में नृत्य है । लोग उनके नृत्य पर ताल दे रहे हैं और बीच - बीच में हर हर महादेव ।

मन्नू दुबे जी मुझसे कह रही हैं -- इजराइल की एक युवती नृत्यरत बिरजू महाराज की तस्वीर उतारने में लग गयी है । वह बार - बार जानना चाह रही है कि यह नृत्य का कौन सा फार्म है । उसके लिये यह जादू है कि पैरों के घुंघरू छनन - छनन नहीं कर रहे , छंद रच रहे हैं । उसने पूछा था - यह कैसे संम्भव है ।

वह देख रही है पंडित बिरजू महाराज की कलाई , ग्रीवा , भृकुटी , नेत्र और सांस के उतार - चढ़ाव में सूरज , चांद , नदियों और पर्वतमालाओं का अभी भी बाकी बच गया विस्तार । सुरों और लय में प्रकृति का विस्तार हो रहा है । नहीं लगता कि गंगा भी हिमालय की तमाम परियोजनाओं के सुरंगों में ही फंसी रह गयी होगी । वह तो संकट मोचन परिसर में हिमालय से हरहरा कर आयी है। नये भगीरथ प्रो. मिश्र का प्रयास है यह ।

जातिय कुचक्र में उलझा मतदाता

प्रशान्त त्रिपाठी(अधिवक्ता दिल्ली)
राष्ट्रीय-उप सचिव मानवाधिकार।

आज सभी पार्टियां लोकलुभावन घोषणाओं से आपका दिल जीतना चाह रही हैं।कभी सोचा है कि इस मुफ्तखोरी की बंदरबांट से आपका कितना भला हो पाया है?सरकार बनते ही इन सबका पाई-पाई आपसे ही वसूला जाता है।प्रदेश कर्ज में चला जाता है।विकास बाधित होता है।शिक्षा,स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की जिस तरक्की से पूरे प्रदेश का कल्याण संभव होता है,उसकी संभावना क्षीण होती है।आज पूरे देश मे पांच राज्यों (उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,पंजाब,मणिपुर और गोवा) में होने जा रहे विधानसभा चुनावों का शंखनाद बृगुल बज चुका है। देश की कुल 4121 विधानसभा सीटों में से 690 यानी करीब 17 फीसद प्रत्याशी इस प्रक्रिया में चुने जाएंगे।देश के करीब चौथाई मतदाता इसमें अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे । राजनीतिक अहमियत के अलावा इन विधानसभा चुनावों की देश की एकता,अखंडता और विकास में भी अहम भूमिका है ।उत्तर प्रदेश, पंजाब,उत्तराखंड,मणिपुर सीमाई प्रदेश हैं।गोवा के भू-राजनीतिक महत्व का अपना इतिहास है। उत्तर प्रदेश,पंजाब अन्न के कटोरे हैं जो देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के साथ केंद्र की नीतियों से तारतम्य बनाते हुए राष्ट्र के विकास मेंब गुणात्मक उछाल ला सकते हैं । इसलिए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के पांच प्रदेशों में होने जा रहे चुनावों में हर एक वोट बहुत सोझ-समझकर डाला जाना चाहिए।आप मतदाता हैं । लोकतंत्र के भाग्यविधाता हैं।अगर आज तमाम राजनीतिक दल मतदाता चालीसा पढ़कर आपको रिझाने का काम कर रहे हैं तो वह आपकी श्रेष्ठता को ही साबित करता है।आप रीझिए न।अपना विवेक इस्तेमाल करें। तुलना करें कि आपका जीवन स्तर कितना,कब और कैसे बेहतर हुआ।बताते चलें जिस राज्य की प्रभुसत्ता लोक में निहित होती है उसे लोकतांत्रिक राज्य की संज्ञा दी जाती है । भारत में लोकतंत्र के सूत्र वेदों से मिलते है । पौराणिक आख्यान के अनुसार,स्वयंभू मनु से मानव की उत्पत्ति हुई और लोक का प्रारंभ हुआ।मनु ही नियामक बने।प्राचीन काल में गण शब्द जनतंत्रात्मक राज्य का प्रतीक था जिसे संघ भी कहा जाता था। इन गणराज्यों का संविधान ज्ञात नहीं है पर यह तय है कि शासन किसी एक व्यक्ति के हाथ में और परम्परागत नहीं था।इसके साथ ही ये समूह विशेष के शासन के प्रतीक थे। बौद्धकाल में गणतंत्रों का अधिक प्रभाव था।स्वयं बुद्ध गणराज्य के थे इसीलिए बुद्ध ने अपनी धार्मिक व्यवस्था को गणतंत्रात्मक रखा और संघ शरणं गच्छामि का उद्घोष किया । इस प्रकार भारत में लोकतंत्र का इतिहास आदिकाल से मिलता है । राजतंत्रों के पराभव,विदेशी दासता और जनजागरण ने स्वतंत्रता के पश्चात पुनरूः लोकतांत्रिक गणराज्य की परिकल्पना की और शासन सत्ता में सामन्जस्य रखता है । किसी राष्ट्र की प्रभुसत्ता का प्रमाण संविधान ही है । प्रभुसत्ता के दो भेद होते हैं । पहली प्रभुसत्ता को कानूनी सत्ता कहते हैं और दूसरी को राजनीतिक सत्ता राजनीतिक प्रभुसत्ता ही जनशक्ति है । लोकतंत्र में अंतिम प्रभुसत्ता जनता के हाथों में होती है।लोकतंत्र और प्रजातंत्र में भी अंतर होता है।प्रजातंत्र में राजसत्ता रहती है लेकिन लोकतंत्र में नहीं रहती है। इंग्लैण्ड में प्रजातंत्र है पर लोकतंत्र नहीं । लोकतंत्र की आस्था मानवीय स्वतंत्रता है । व्यक्ति या दल अपनी विचारधारा को जनता के समक्ष रखते हैं और मनुष्य को उसके समर्थन या विरोध का पूर्ण अधिकार है । इसमें ऊंच,नीच ,जाति, पाति,धनी निर्धन का भेद नहीं होता है।मनुष्य केवल मनुष्य है,मानव मन की अभिव्यक्ति के अनुकूल जो संगठन बने उन्हें राजनीतिक दल कहा जाता है।लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का अनिवार्य महत्व है।प्रश्न यह है कि संविधान की मूल भावना और लोकतंत्र की मानवीय स्वतंत्रता की अवधारणा को आज के राजनीतिक वातावरण में क्या प्रतिष्ठा मिली है खासकर उत्तर प्रदेश में दिन में चार बार दल बदलने वाले,जातीय रैलियों के माध्यम से जाति,धर्म और संप्रदाय के आधार पर वोट मांगने वाले,बेमेल गठजोड़ से सरकार चलाने वाले दलबदलू ,अपराध में लिप्त राजनेता लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की रक्षा किस प्रकार करेंगे।भाषावार प्रांतों के गठन ने क्षेत्रीय आंदोलनों को जन्म दिया और क्षेत्रीयता के बढ़ते दबाव से गठबंधन सरकारों का दौर आ गया । राष्ट्रीय अस्वीकार्यता के बावजूद देवगौड़ा और गुजराल जैसे व्यक्ति प्रधानमंत्री बन गए । क्षेत्रीयता की राजनीति का उभार 1967 में आया जब अनेक प्रांतों में संविद सरकारें बनीं आपातकाल के बाद क्षेत्रीय दलों में भी वर्चस्व की लड़ाई धर्म और संप्रदाय के नाम पर उभरी । एक राज्य में अनेक क्षेत्रीय दल ऐसे बने जिनका मुख्य आधार जाति ही थी । जाति केंद्रीत राजनीति ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों को विशेष रूप से प्रभावित किया जहां आज ये स्थिति हो गई है कि चुनावी तालमेल से लेकर उम्मीदवारों के चयन में जाति को महत्व दिया जाने लगा है और राष्ट्रीय दल भी इससे अछूते नहीं रह गए हैं । जातीय चेतना के इस उभार ने शासन और प्रशासन को भी प्रभावित किया है जिससे ये राज्य विकास में पिछड़ते जा रहे हैं । दिल्ली की सरकार का दरवाजा लखनऊ से खुलता है, इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश की जातीय राजनीति पूरे देश को प्रभावित कर रही है। स्थिति यह है कि आज राजनीतिक दल बहुमत के लिए नहीं बल्कि ऐसी संख्या हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे चुनाव परिणामों के बाद बहुमत न होने की स्थिति में मेल भाव कर सकें।यह गंभीर प्रश्न है कि जब सरकार की बुनियाद ही सौदेबाजी पर होगी तो देश,प्रदेश का भविष्य क्या होगा?उत्तर प्रदेश में सभी दल जातीय सम्मेलन में लगे हैं। सभी दलों की अपनी जातियां है।फिर अन्य जातियों के अपने नेता हैं।अपनी-अपनी जातियों को दल से जोड़ने का ठेका लेने वाले ठेकेदार और चेहरे टेंडर भरकर,अपनी जातियों के आंकड़े दिखाकर सीट का टेंडर पास करा रहे हैं ।हर दल के अपने ब्राह्मण , ठाकुर , पिछड़ी,दलित और मुस्लिमों के नेता हैं।भाजपाई ठाकुर,कांग्रेसी ब्राह्मण, सपाई यादव,बसपाई दलित यही कुल,गोत्र,शखाएं,सूत्र और प्रवर बन गए हैं ।आम आदमी जिसे कभी मतदाता कहा जाता है ,जो जनता सरकार चुनती है,वह आज जातीय समीकरण में कहां खड़ी है यह विचारणीय है।वह आम आदमी जो पहले दल को जानता था,देश को जानता था,आज केवल अपनी जाति को पहचानता है।जातियों के जंगल में आम आदमी भटक गया है । लोकतंत्र का स्वरूप बिगड़कर जाति तंत्र में बदल गया है।चुनाव का टिकट पाने के लिए जातिगत आंकड़ें लेकर हाईकमान के पास जाते हैं।हाईकमान के फैसले जातीय जनसंख्या के आधार पर होते हैं।राजनीतिक दल तो जातियों के गुलाम ही हो चुके हैं । मीडिया आग में घी डालने का काम करता है।इधर उम्मीदवारी घोषित हुई और उधर जाति की गणना करके मीडिया निर्णय सुना देता है।चुनावी सर्वेक्षण अर्थात सजातीय मतदाताओं की संख्या व्यक्ति की स्वतंत्रता,अस्मिता ,ईष्यात और इयत्ता का कोई भी अर्थ नहीं रह गया है । आदिम युग में कबीले होते थे । हर कबीले का अपना मुखिया,अपना रीति रिवाज ये कबीले आपस में टकराते थे।अंग्रेजी शासनकाल में बांटो और राज्य करो की नीति ने हिंदू - मुस्लिम एकता को भंग कर दिया।देश का विभाजन हो गया । स्वतंत्रता के बाद जातियों को समाप्त करने के प्रयास हुए आरक्षण ने वर्ग बनाए,कागजों पर जाति प्रथा हटी । हम नागरिक रह गए।भारत संघ की नागरिकता समानता के आधार पर दी गई थी।आम आदमी को विश्वास हुआ कि राजनीतिक दलों की विचारधारा के आधार पर सरकारें बनेंगी।

प्रारंभ में ही भाषावार प्रांतों का गठन हो गया और हम अचानक भारतीय से बंगाली,मराठी,गुजराती,तमिल,पंजाबी हो गए।लम्बे समय तक ये खेल चला।राजनेताओं की शतरंजी बिसात नापाक इरादों पर बिछती है ।जब तक राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व रहा तब तक हमें क्षेत्रों में बांटा गया,उत्तर और दक्षिण में बांटा गया । हम व्यक्ति नहीं क्षेत्र थे।क्षेत्रीय भावना ने क्षेत्रीय दलों को जन्म दिया।कांग्रेस के हाथ से यह मुद्दा छिन गया क्षेत्रीयता अर्थात क्षेत्रीय नेता।एक साथ कई क्षेत्रीय दल बनने लगे ।अपनी इस लड़ाई में क्षेत्रीय दलों ने जातीय आधार ले लिया । बहुजातीय संकीर्णता और अशिक्षा से घिरे उत्तर प्रदेश में नेताओं ने जातिवाद को सत्ता तक पहुंचने का माध्यम बना लिया । धर्म,वर्ग, संप्रदाय,भाषा सब पीछे छूट गए।अब हम व्यक्ति नहीं,क्षेत्र नहीं ,राष्ट्र नहीं केवल जाति हैं ।जातीय चेतना जगाई जा रही है । गुण-दोष नहीं देखो,प्रत्याशी की जाति देखो।अब दल किसी विचारधारा को नेतृत्व नहीं करते हैं ,किसी जाति को संभालने के लिए उस जाति का एक नेता हर दल में उपलब्ध है ।चुनाव आता है और मतदाता सम्मेलन नहीं होते , नागरिक सभाएं ,नागरिक अभिनंदन नहीं होते ।ब्राह्मण सम्मेलन,क्षत्रिय सम्मेलन , भूमिहार सम्मेलन , वैश्य सम्मेलन , प्रजापति सम्मेलन , लोध सम्मेलन , कुशवाहा सम्मेलन,पासी सम्मेलन,यादव सम्मेलन,मौर्य सम्मेलन इत्यादि । जितनी जातियां उतने सम्मेलन हमें वोट दो-हम आपकी जाति के हैं ।अब जाति न समाप्त करो,अपनी जातीय चेतना को जगाओ ! जातियों का उत्थान करो , सजातियों को चुनो। संसद और विधानसभा में पहुंचते ही नेताजी जाति को भूल जाते हैं । मतदाता ठगा सा महसूस अनुभव करता है ।किस संविधान में लिखा है कि हम भारत की जातियां अपने गणतंत्र की रक्षा करेंगे ।आम आदमी वोट देने के बाद सोचता है कि हमें तो मिली-जुली संस्कृति में,समाज में रहना है ।वह कौन था जो हमारे हृदय में जहर घोलकर चला गया ।पूरे गांव को , शहर को ही नहीं ,दिल को भी टुकड़ों में बांट गया ।गांव अब छोटा सा गांव नहीं रह गया ,उस गांव के लोग कबीलों में बंट गए ।जाति बना मतदाता टुकुर - टुकुर ताकता है । किसे पता था कि भारत संघ एक सच्चे लोकतंत्र की जगह जातितंत्र की ओर बढ़ जाएगा।

प्रलोभन और विकास के लिए जरूरी कदम के बीच बारीक लकीर है । राजनीतिक दलों के साथ-साथ जनता को भी इस फर्क को समझना होगा।साथ ही यह भी सोचना होगा कि वादे पूरे करने के लिए राज्य सरकार के पास माध्यम क्या होगा। इस समय ज्यादातर राज्यों पर कर्ज है।यह कहीं न कहीं राज्यों के विकास में बाधक होगा ।एक विमर्श इस बात पर भी होता है कि किसानों का कर्ज माफ करने या उन्हें कर्ज चुकाने में सक्षम बनाने में से कौन सी नीति को उचित माना जाए? चुनावों के आसपास ऐसे कई सवाल सतह पर आ जाते हैं । राजनीतिक दलों को जिम्मेदार बनने की जरूरत है ।केवल मुफ्त के उपहारों का लालच देकर चुनाव जीतने का प्रयास उचित नहीं है । बेहतर तरीका होगा कि पार्टियां चुनावी वादे करते समय इस बात का खाका भी पेश करें कि उन वादों को पूरा करने के लिए उनके पास रणनीति क्या है ? इससे हम बेहतर प्रशासन और समाज की ओर बढ़ सकेंगे ।हम मानव विकास के उन पैमानों पर आगे बढ़ेंगे ,जिनसे सभी का जीवन समृद्ध एवं सुखी हो सकेगा। जनता को भी चुनाव के समय राजनीतिक दलों के वादों की व्यवहार्यता पर विचार करना चाहिए । सतर्क मतदाता ही श्रेष्ठ लोकतंत्र का वाहक बन सकता है ।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

जिलाधिकारी ने पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

अभियान चलाकर लोगो को मतदान करने के प्रति करें जागरूक: जिलाधिकारी

संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत मंगलवार को पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय मलाक हरहर प्रथम कौड़िहार में मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, शौचालय एवं कक्षों का निरीक्षण किया तथा वहां पर उपस्थित बीएलओ से बात भी किया और वहां कहां कि मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर प्रत्येक लोगो के घर जाकर मतदान करने के लिए जागरूक किया जाये। इसी क्रम में उन्होंने प्राथमिक विद्यालय हथिगहा में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा का भी जायजा लिया तथा अपर नगर मजिस्टेट तृतीय को निर्देशित किया कि अवैध शराब पर कार्यवाही के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जाये। तत्पश्चात पहुंचे, वहां पर भी उन्होंने पानी, शौचालय, बिजली आदि का निरीक्षण किया तथा जो भी कमिया है, उसे तत्काल दुरूस्त किये जाने के निर्देश दिये।

बी0एल0ओ0 से वार्ता कर कहा कि मतदान करने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगो को जागरूक करें तथा घर-घर जाकर लोगो से सम्पर्क करें। इस अवसर पर उप निर्वाचन अधिकारी/एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय, अपर नगर मजिस्टेट तृतीय युवराज सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जान जोखिम में डालकर रस्सी पर चलने को मजबूर छः बर्ष की मुस्कान

संवाददाता

स्योहारा। एक तरह सरकार का खास फरमान की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बाल श्रम पर रोक लगाओ आदि लेकिन ये स्लोगन बस कागज़ों तक सीमित हैं हक़ीक़त कुछ और ही सामने आती रहती हैं जिसके अंतर्गत न सिर्फ बेटियां अनपढ़ हैं बल्कि उनको पेट पालने के लिए बाल श्रम ही नही बल्कि जान भी जोखिम में डालनी पड़ती है,जैसे कि आप ये नज़ारा देख सकते हैं नगर स्थित रेलवे फाटकों पर आयोजित इस मजबूर बच्ची की नायाब कला का जो मात्र 6 वर्ष की अपने परिवार की है मुस्कान जो वाकई अपने नाम की तर्ज पर अपने परिवार की मुस्कान बनी है क्योंकि वो कई फिट ऊंची बंधी रस्सी पर चलकर लोगो को करतब दिखाकर अपने परिवार का लालन पोषण करने में अपनी अपनी भूमिका निभा रही है,जान जोखिम में डालकर अपनी इस अद्भुत कला से मुस्कान लोगो को ताली बजाने पर तो मजबूर कर देती है पर उसकी पढ़ाई छोड़कर ये सब करने की क्या मजबूरी है वो कोई समाजसेवी, नेता या अधिकारी नही समझता।

एक छोटी सी बातचीत के दौरान मासूम मुस्कान ने बताया कि उसको पढ़ाई का बेहद शोक है पर परिवार का कोई स्थायी ठिकाना और घर नही है खाना बदोश ज़िंदगी होने के कारण उसको पढ़ाई छोड़ कर ये काम करना पड़ता है जिससे उसका व उसके परिवार का गुजारा होता है,पर मासूम को यूं मौत की रस्सी पर चलाकर उसकी माँ को भी कोई खुशी नही मिलती बल्कि वो अपनी बेटी के हर कदम पर नज़र रखकर उसको गिरने की स्थिति में थामने को हर लम्हा तैयार रहती है।

अमृत महोत्सव के तहत जागरूकता कार्यक्रम पर वेबीनार का आयोजन किया गया

कोरांव प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय बौद्धिक जागरूकता कार्यक्रम पर वेबीनार का आयोजन प्रयाग सिटीजन ला कॉलेज सिरहिर मेजा एवं बलराम पी. जी. कॉलेज प्रयागराज द्वारा संपन्न कराया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बलराम ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट द्वारा डॉ मनोज कुमार सिंह को आमंत्रित किया गया जो पेटेंट और डिजाइन वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार में कार्यरत हैं डॉक्टर मनोज कुमार सिंह ने वेबीनार में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता अभियान कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों के संबंध में प्रयाग सिटीजन ला कालेज एवं पी.जी. कॉलेज प्रयागराज के विद्यार्थियों को अवगत कराया उन्होंने छात्रों को वैदिक अविष्कारों के बारे में महत्वपूर्ण उदाहरणों के साथ जानकारी दी एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय नियमों की व्याख्या की उन्होंने छात्रों को नवीन वैदिक अविष्कारों के प्रति जागरुक एवं सजग रहने के लिए वैदिक संपदा अधिकारों के महत्व को समझाने के लिए प्रेरित किया जिससे वे नवीन विधि, नवीन तकनीकी, नवीन कार्यपद्धति, नवीन सेवा, नवीन उत्पाद आदि के द्वारा राष्ट्र को समृद्ध बना सके वेबीनार के मुख्य रूप से डॉक्टर सुमन राय प्रिंसिपल प्रयाग सिटीजन लॉ कालेज ,डॉक्टर बी पी सिंह फराज अहमद, प्राचार्य अरुण कुमार सिंह बलराम पीजी कॉलेज ,आजाद सिंह को.ऑर्डिनेटर हसमुखलाल, उप प्राचार्य उमा लता पटेल सिटीजन गर्ल्स कॉलेज, डॉक्टर रूद्र जय ,डॉ अनुज मिश्रा ,डॉ शाहआलम ,डॉ जयकुमार बलराम ग्रुप एच. आर. मैनेजर शालिनी श्रीवास्तव उपस्थित थे।

चोरों ने दिनदहाड़े सीएचसी के डॉक्टर व बीसीपीएम के आवास का ताला तोड़कर किया चोरी ,मचा हडकंप

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज । उरुवा ब्लाक अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में डॉ दुष्यंत सिंह व बीसीपीएम के आवास का दिनदहाड़े चोरों ने ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर जरूरी सामान सहित एक सोने की अंगूठी व एक चांदी अंगूठी सहित ?15000 नगद चोरों ने किया हांथ साफ और किसी को भनक भी लगी। चोरों के हौंसले इस तरह बुलंद हैं कि दिनदहाड़े ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर व बीसीपीएम के आवास को खंगालते हुए नगदी समेत दो अगूंठी ले उड़े। जब कि उसी आवास के सामने से सभी लोगों का आना जाना लगा रहता है। सोंचने की बात तो यह है कि जिस अस्पताल परिसर में कम से कम सैकड़ों की संख्या में लोगों का आना जाना लगा रहता है फिर भी किसी की नजर उस ओर नही पड़ी। इस प्रकार दिनदहाड़े चोरी की सूचना पर हड़कंप मच गया। सूचना पर सिरसा चौकी प्रभारी हरीश चंद्र शर्मा मय हमराहियों के साथ मौके पहुंचकर जांच में जुटे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ वाई पी सिंह द्वारा सूचना देकर प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

कुठौंद पुलिस ने 32बोर तमंचा के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जालौन (कुठौंद)। पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ रवि कुमार द्वारा शातिर अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक जालौन राकेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी जालौन संतोष कुमार के निर्देशन में व थाना प्रभारी निरीक्षक कुठौंद रमेश चंद्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में गश्त के दौरान उप निरीक्षक ओम कार तिवारी मय हमराह कांस्टेबल भानु प्रताप के द्वारा अभियुक्त को 1 अदद अवैध तमंचा 32 बोर मय एक जिंदा कारतूस के मदारीपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया है ।अभियुक्त अतुल सिंह तोमर निवासी ग्राम निरगावा थाना हरपालपुर जनपद हरदोई को थाना कुठौंद पर मुकदमा अपराध संख्या 022/022 धारा 3/25 ए एक्ट में पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है।

खीरी में दो पालियों में 23 जनवरी को होगी टीईटी परीक्षा, 20733 परीक्षार्थी होंगे शामिल

सात सेक्टर्स में बांटे गए परीक्षा केंद्र, केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं पर्यवेक्षक तैनात

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद के निर्धारित केंद्रों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन 23 जनवरी को दो पालियों में आयोजित होगी। प्राथमिक स्तर की परीक्षा सुबह दस बजे से दोपहर 12.30 बजे तक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की परीक्षा द्वितीय पाली में दोपहर 2. 30 से 05 के मध्य आयोजित होगी। उक्त आशय की जानकारी डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि टीईटी परीक्षा 2021 के लिए परीक्षा नियामक प्राधिकारी उप्र प्रयागराज द्वारा जनपद में प्रथम पाली हेतु 23 परीक्षा केंद्र व द्वितीय पाली हेतु 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए। जिसमें प्रथम पाली में 12698 परीक्षार्थी व द्वितीय पाली में 8035 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्रों पर नकल विहीन, शुचितापूर्ण व शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न कराने हेतु परीक्षा केंद्रों को 07 सेक्टर में बांटा गया, जिनमें सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई। वही 04 सेक्टर मजिस्ट्रेट रिजर्व में रखे गए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर जिला स्तरीय अधिकारियों को स्टेटिक मजिस्ट्रेट, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पर्यवेक्षक नियुक्त है।सभी नामित स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं पर्यवेक्षक परीक्षा अवधि में परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित रहकर सघन निरीक्षण कर विभागीय निर्देशों एवं परीक्षा संपादित कराएंगे। वही तीन सचल दल डायट प्राचार्य डीआईओएस एवं बीएसए के नेतृत्व में गठित किए गए है।

भ्रामक मैसेज फै लाने वाले जाएंगे जेल, मैसेज मिलने पर तुरंत दे सूचना- डीएम

टीईटी परीक्षा के संबंध में अफ वाह फै लाने वालों से प्रशासन सख्ती से निपटेगा। यदि परीक्षा के संबंध में कोई भी भ्रामक मैसेज प्राप्त हो तो उसकी सूचना डीआईओएस के मोबाइल नंबर 9454457323 एवं उनके सीयूजी नंबर 9454417558 पर दें। ताकि भ्रामक मैसेज फै लाने वालों को चिन्हित करके कड़ी कानूनी कार्यवाही की जा सके।

परीक्षा में यह अभिलेख लाना जरूरी

डीआईओएस ओपी त्रिपाठी ने परीक्षार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वह या तो अपना प्रशिक्षण उपाधि, किसी भी समेस्टर के प्रशिक्षण अंक पत्र की मूल कॉपी प्रवेश परीक्षा के समय लेकर आएं या इंटरनेट से निकाली गई अंकपत्र की कॉपी संबंधित प्रशिक्षण संस्थान विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित हो या प्राचार्य डाइट लखीमपुर से प्रमाणित हो।

आज डीएम लेंगे टीईटी परीक्षा की तैयारी बैठक

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में टीईटी परीक्षा 2022 कि तेरी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में 19 जनवरी 2022 को अपराहन 4रू30 बजे लेंगे। जिसमें सभी केंद्र व्यवस्थापक, पर्यवेक्षक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट शामिल होंगे।

इन विद्यालयों में होगी परीक्षा -

सेक्टर 01- जीजीआईसी, जीआईसी, भगवानदीन आर्य कन्या इंटर कॉलेज, भगवानदीन आर्य कन्या पीजी कॉलेज। (सेक्टर मजिस्ट्रेट रू एसडीएम सदर)

सेक्टर 02- अबुल कलाम आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, स्वामी श्याम प्रकाश इंटर कॉलेज। (सेक्टर मजिस्ट्रेट - एसडीएम गोला)

सेक्टर 03 - गुरु नानक इंटर कॉलेज, गुरु नानक विधिक सभा इंटर कॉलेज, अजमानी पब्लिक स्कूल। (सेक्टर मजिस्ट्रेट - तहसीलदार सदर)

सेक्टर 04 - सिटी मांटेसरी इंटर कॉलेज, आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, कृषक समाज इंटर कॉलेज फ तेपुर। (सेक्टर मजिस्ट्रेट रू एसडीएम मितौली)

सेक्टर 05 - आदर्श जनता इंटर कॉलेज देवकली, डीएस कॉलेज, डॉ.भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज। (सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम धोरहरा)

सेक्टर 06 - पीके इंटर कॉलेज, वाईडी पीजी कॉलेज, सनातन धर्म सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज।(सेक्टर मजिस्ट्रेट - तहसीलदार मितौली)

सेक्टर 07 - पं. दीनदयाल उपाध्याय सीबीएसई बोर्ड, पं. दीनदयाल उपाध्याय यूपी बोर्ड, कुंवर खुशवक्त राय बालिका इंटर कॉलेज। (सेक्टर मजिस्ट्रेट रू एसडीएम मोहम्मदी)

संक्षिप्त समाचार

वोटरों को धमकाने वाले जाएंगे जेल- डीएम

हुड़दंगियों पर रहेगी नजर- डीएम.

मो. तलहा हसन खान, लखीमपुर खीरी। विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरा प्रशासनिक एवं पुलिस महकमा तैयारियों में लग गया है। चुनाव में खलल डालने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का प्रशासन ने मूड बना लिया है। जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि प्रशासन की हुड़दंगियों पर सीधी नजर रहेगी। वोटरों को धमकाने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। इसके साथ ही पुलिस हिस्ट्रीशीटरों की भी निगरानी करेगी। फ्लाइंग स्क्वाड व स्टेटिक टीम विडियोग्राफी से अराजक तत्वों की पहचान करेगी। आचार संहिता का पालन सभी से कराएं। कहीं भी राजनीतिक बैनर व पोस्टर न लगा हो। लागू धारा 144 के तहत नगर में कहीं भी पांच से अधिक व्यक्ति को खड़ा देखने पर कार्रवाई की जाए। सुरक्षा के मद्देनजर लाइसेंसी शस्त्रों को जमा कराने की प्रक्रिया शुरू करें।

गन्ना मूल्य भुगतान पर जिलाधिकारी ने की शासन स्तर पर बात

दो-तीन दिन में भुगतान मिलने के मिले संकेत

लखीमपुर खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि पेराई सत्र 2021-22 में निजी क्षेत्र की चीनी मिल-ऐरा, अजबापुर, कुम्भी व गुलरिया द्वारा गन्ना मूल्य भुगतान किया जा रहा है। सहकारी क्षेत्र की चीनी मिल-बेलरायां व सम्पूर्णानगर की क्रमशः अंकन 24100.00 व 24350.00 ला.रू. की सी.सी.एल. (कैश क्रेडिट लिमिट) स्वीकृत हो गयी है, जिससे गन्ना मूल्य भुगतान कराया जा रहा है।डीएम ने बताया कि बजाज ग्रुप की चीनी मिल-गोला, पलिया एवं खम्भारखेड़ा पर गत पेराई सत्र 2020-21 का क्रमशः 19910.95 ला.रू., 19952.19 ला.रू. एवं 11765.85 ला.रू. गन्ना मूल्य बकाया है, इस संदर्भ में उन्होंने स्वमं अपर मुख्य सचिव (गन्ना), उप्र शासन, गन्ना आयुक्त उप्र लखनऊ से व जिला गन्ना अधिकारी बीके पटेल ने मुख्यालय स्तर व चीनी मिलों के एम.डी., प्रबंधन के अन्य लोगों से वार्ता की गई, जिसमें यह अवगत कराया गया कि बजाज ग्रुप की चीनी मिलों को पावर कार्पोरेशन उ.प्र. से दो-तीन दिन में धनराशि प्राप्त होगी, जिससे बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराया जायेगा। बकाया गन्ना मूल्य भुगतान कराये जाने का उच्च स्तर तक हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है।बताते चलें कि जनपद खीरी में सहकारी क्षेत्र की दो (सरजू सहकारी चीनी मिल लि. बेलरायां व किसान सहकारी चीनी मिल लि. सम्पूर्णानगर) एवं निजी क्षेत्र की 07 (गोला, पलिया, खम्भारखेड़ा, ऐरा, अजबापुर, कुम्भी एवं गुलरिया) कुल 09 चीनी मिलें संचालित हैं, जो गन्ना पेराई कार्य कर रही हैं।

लगभग 25 लाख रूपए कीमत की 10 किलोग्राम अवैध चरस बरामद, 03 अभियुक्त गिरफ्तार.

मो. तलहा हसन खान, लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 जनवरी की रात्रि गस्त व चेकिंग के दौरान थाना हैदराबाद, थाना मैलानी एवं एस0ओ0जी0, जनपद खीरी की संयुक्त टीम द्वारा छत्तीपुर नहर पुलिया के पास से 03 अभियुक्तों सुखदीप सिंह, गुरूसाहब सिंह एवं मन्दीप सिंह को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से बिक्री हेतु जा रही 10 किलोग्राम चरस बरामद किया गया है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 25 लाख रूपए है। उक्त बरामद व गिरफ्तारी के संबंध में थाना हैदराबाद पर मु0अ0स0 17/22 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत करके अभियुक्तों का चालान मा0 न्यायालय भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतु नगद पुरस्कार की घोषणा की गई है।

कोंच पुलिस द्वारा दो वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

उरई(जालौन)। जालौन पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार के निर्देशन में थाना कोतवाली कोंच पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्तगण जमील उर्फ विज्ञान पुत्र सलीम कुरैशी निवासी मोहल्ला आराजी लेन कस्वा व थाना कोंच व चन्द्र शेखर पुत्र शियाराम निवासी मोहल्ला गांधीनगर थाना कोतवाली कोंच जनपद जालौन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

'विधिक साक्षरता का आयोजन नायब तहसीलदार आलोक कटिहार के द्वारा किया गया

माधौगढ़। जालौन।ग्राम भिटारा में विधिक सेवा समिति का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कर रहे नायब तहसीलदार जालौन आलोक कटियार ने ग्राम भिटारा में लोगो को विधिक साक्षरता के बारे में अवगत कराते हुए बताया है कि विधिक जागरूकता से विधिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। कानूनों के निर्माण में लोगों की भागीदारी बढ़ती है । और कानून के शासन की स्थापना दिशा में प्रगति होती है।

पहले विधिक रुप से साक्षर होने का अर्थ था कानूनी, दस्तावेजों ,विचारों, निर्णय ,कानूनों आदि को लिख पढ़ जाने की क्षमता होती थी किंतु अब इसका अर्थ कानून से संबंधित इतनी क्षमता से है जो कि किसी कानूनी समाज में अर्थ पूर्ण जीवन जीने के लिए जरूरी होता है। जिसमें प्रदीप कुमार वकील ,अजय गौतम पीएलबी, ग्राम प्रधान गायत्री देवी, सचिव मनोज गौतम, लेखपाल व शिक्षामित्र एवं अन्य ग्रामवासी मौके पर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

संवाददाता

- सभी पोलिंग बूथों पर मूलभूत सुविधाएं रहे सुनिश्चित
- अभियान चलाकर लोगो को मतदान करने के प्रति करें जागरूक करे- डी एम

प्रयागराज । जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत मंगलवार को पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय मलाक हरहर प्रथम कौड़िहार में मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, शौचालय एवं कक्षों का निरीक्षण किया तथा वहां पर उपस्थित बीएलओ से बात भी किया और वहां कहां कि मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर प्रत्येक लोगो के घर जाकर मतदान करने के लिए जागरूक किया जाये। इसी क्रम में उन्होंने प्राथमिक विद्यालय हथिगहा में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा का भी जायजा लिया तथा अपर नगर मजिस्टेट तृतीय को निर्देशित किया कि अवैध शराब पर कार्यवाही के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जाये। तत्पश्चात सरस्वती देवी, परमानन्द सिन्हा इण्टर कालेज पहुंचे, वहां पर भी उन्होंने पानी, शौचालय, बिजली आदि का निरीक्षण किया तथा जो भी कमिया है, उसे तत्काल दुरूस्त किये जाने के निर्देश दिये। बी0एल0ओ0 से वार्ता कर कहा कि मतदान करने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगो को जागरूक करें तथा घर-घर जाकर लोगो से सम्पर्क करें। इस अवसर पर उप निर्वाचन अधिकारीध्एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय, अपर नगर मजिस्टेट तृतीय युवराज सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी द्वारा विधानसभा सामान्य निर्वाचन सकुशल संपन्न कराने हेतु जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेटों की समीक्षा बैठक ली

उरई(जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक रविकुमार ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 सकुशल संपन्न कराने हेतु राजकीय मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में समस्त जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों की समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर अपने-अपने बूथों का निरीक्षण करें जो भी कमियां मिलें उन्हें तत्काल अपने आरओ को अवगत कराएं ताकि समय पर ही उसका निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य से संबंधित जो भी कार्य उन्हें दिए गए हैं उन्हें पूरी जिम्मेदारी से संपादित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों की किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पोलिंग बूथ पर बिजली पानी शौचालय व रैंप दिव्यांग जनों की बैठने की व्यवस्था आदि को पहले से ही सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि एएमएस के अनुसार सभी बूथों पर पहले से ही निरीक्षण कर सुविधाओं को पूर्ण रुप दिया जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जोनल मजिस्ट्रेट व सेक्टर मजिस्ट्रेट विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 पूर्ण सतर्कता से कार्य संपन्न करें।उन्होंने कहा कि जोनल मजिस्ट्रेट पुलिस मजिस्ट्रेट के पास कितने क्रिटिकल व वनेरवल बूथ है कितने बूथों पर वेबकास्टिंग होनी है इसकी सूची आपके पास होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा में पांच पांच पिंक बूथ बनाए जाएंगे जिसमें महिला कार्मिक तैनात की जाएंगी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी पूनम निगम, अपर पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह, मास्टर ट्रेनर राघवेंद्र यादव सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

गंदगी से परेशान कांशीराम कलौनी निबासियों ने दिया पत्र

कोंच जालौन हाटा स्थित कांशीराम कलौनी निबासियों ने दिन मंगलवार को उपजिलाधिकारी राजेश सिंह को एक पत्र देते हुए बताया कि हमारी कलौनी में जगह जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है और पालिका कर्मियों द्वारा कई महीनों से साफ सफाई नहीं की जा रही है जिसके कारण गंदगी से बदबू आ रही है और बीमारी फै लने की आशंका भी बढ़ गयी है वहीं ठिठुरन भरी सर्दी में पालिका द्वारा अलाव भी नहीं लगाए जा रहे हैं कलौनी बासियों ने एस डी एम से व्यास गंदगी की साफ सफाई करवाते हुए अलाव जलाए जाने की मांग की है इस दौरान बीरू वर्मा लकी वर्मा रिजवान कल्लू संतोष सगीर शहजाद महेंद्र सद्दाम बिशाल निक्की टिंकू निसार सुरेंद्र सहित तमाम कलौनी वासी मौजूद रहे। सर्द रातों और घने कोहरे का फायदा उठाते हुए थाना माधौगढ़ के अंतर्गत मचकछा गांव में आधा दर्जन बदमाशों ने एक घर की दीवार फांद कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। हालांकि गृह स्वामी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ अवैध हथियारों के दम पर मारपीट भी की गई। उसके बाद वह नगदी और जेवर को उठाकर ले गए। घटना में सच्चाई है लेकिन दिए गए प्रार्थना पत्र पर सवाल और शक दोनों ही दिखाई पड़ते हैं। थाना माधौगढ़ के मचकछा गांव में सिद्ध बाबा के स्थान पर पूजा करने वाले तेज सिंह पुत्र रामेश्वर दयाल पाल ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि रात 12.30 बजे के लगभग वह सो रहे थे। उनकी पत्नी प्रेमा देवी टॉयलेट के लिए उठी। तभी आधा दर्जन बदमाश हथियारों से लैस होकर उनके घर में दीवाल फांदकर घुस आए,जिन्होंने उन दोनों को बंधक बनाकर मारपीट की और घर से नगद 20 हजार रुपये व दो लाख से ज्यादा का जेवर उठाकर ले गए। साथ में यह धमकी भी देते गए कि वह दूसरे के कहने पर आए हैं लिहाजा कोतवाली में तहरीर देने की गलती मत करना। घटना सोलह आना सत्य है,पर तहरीर की आखिरी लाइन पूरी घटना पर आधा झूंठ आधा सत्य साबित कर रहा है। कोई बदमाश कैसे कह सकते हैं? कि वह दूसरों के माध्यम से चोरी करने आये हैं। इसके अलावा रात में घटना होने के बाद सुबह काफी समय तक पुलिस को या गांव वालों को सूचना क्यों नहीं दी? फि लहाल सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर अजय कुमार अवस्थी ने मौके पर पहुंचकर जांच की। वहीं सीओ राहुल पांडेय ने कहा जल्द ही घटना का खुलासा कर देंगे।

हाड़ कपाऊ ठंड में संस्था द्वारा गरीब असहायों को घर घर जाकर वितरण किये कम्बल

समाज मे असहायों का सहयोग सर्वोपरि कार्य- उमाकांत दुबे

कदौरा/जालौन। भीषण सर्दी के चलते नगर क्षेत्र में संस्था एक्टिव वेलफे यर द्वारा नगर क्षेत्र असहायों व विकलांग ब्रद्धजनों को घर घर जाकर कम्बल वितरण किये गए।वही कम्बल पाकर पात्रो द्वारा आभार व्यक्त किया गया। ज्ञातव्य हो कि भीषण ठंड में जनजीवन अस्त व्यस्त है दिन से लेकर रात तक सर्द हवा के चलते लोगो का घर से निकलना दूभर है ऐसे में क्षेत्रीय संस्था एक्टिव वेल्फ ेयर सोसायटी टीम में आयोजक इरफ ान अली के नेतृत्व में मंगलवार की सुबह ग्राम बबीना में सभ्रांत उमाकांत दुबे की अध्यक्षता में कम्बल वितरण आयोजन में ग्राम में असहाय भूमिहीन व विकलांगो को घर घर जाकर कम्बल वितरण कर शुभकामनाएं दी गई जिसमें ग्रामीण जगन्नाथ विकलांग जगदीश व बेवा महिला समेत आधा दर्जन असहायों के घर जाकर कम्बल वितरण किया गया वही उक्त कार्य की अध्यक्षता कर रहे उमाकांत दुबे व इरफान अली द्वारा कहा गया कि समाज मे असहायों की मदद करना सबसे पुनीत कार्य है जिसके लिए समाज मे सभी को प्रयासरत रहना चाहिए एव जो भी आस पास दीन दुखी हो जो हो सके उसकी मदद करना चाहिए। टीम द्वारा कदौरा के अलावा ग्राम बबीना व अन्य स्थान पर प्रतिनिधियों से गांव के असहायों को चिन्हित करते हुए उनके घर तक जाकर कम्बल भेंट किये गए साथ ही ऐसे परिवारों को सर्दी बचाव के लिए भी अपील की गयी उक्त टीम द्वारा क्षेत्र के अलग अलग गांव में जाकर कम्बल वितरण किये गए। सर्दी में सहायता पाकर असहायों द्वारा आशीर्वाद दिया गया। मौके पर उमाकांत दुबे इरफान अली भरत दुबे पत्रकार बिट्टू खान मन्नू सुफि यान सहित अन्य सदस्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संवाद सूत्र कदौरा संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत

कदौरा/जालौन। थाना क्षेत्र के ग्राम निधान का डेरा निवासी बाबू निषाद पुत्र बैजनाथ उम्र 45 वर्ष अपने पुश्तैनी खेत की रखवाली कर रहा था और उसकी मौत हो गई खेत पर बने मचान पर उसका शव पड़ा मिला अधिक ठंड होने के कारण परिवारी जन भी खेत पर देर से पहुचे जब उन्होंने उक्त व्यक्ति को अचेत अवस्था मे देखा तब पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुची पुलिस ने प्राथमिक जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज थाना प्रभारी उमाकांत ओझा का कहना है कि मौका मुआयना किया गया है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया उक्त मृतक के पुत्र नवनीत का कहना है कि उनके पिता अपने खेत की रखवाली कर रहे थे तथा उनकी ठंड लगने से मौत हुई है

एली अवराम

ने तोड़ी सारी हदें, ब्रा संग पहनी जींस; बटन और जिप खोलकर दिया पोज

Elli AvrRam Bold Video: एक्ट्रेस ने कुछ ऐसे वीडियो और फोटोज शेयर किए हैं, जिसके कारण वह सुर्खियों में छा गई हैं. ताजा वीडियो में वह पैंट की जिप खोलकर पोज दे रही हैं.

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस एली अवराम अपनी फिल्मों और डांस के अलावा अपने हुस्न और अदाओं के लिए भी मशहूर हैं. वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपने फैंस के साथ नए-नए फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं. लेकिन अब उन्होंने जो वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं उनसे इंटरनेट का पारा काफी गर्म हो गया है. क्योंकि ताजा लुक में एली ब्रा के साथ जींस पहनकर कुछ पोज दे रही हैं जिसे देख फैंस मदहोश हो रहे हैं.

जींस के बटन और जिप खोलकर दिए पोज एली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें और एक वीडियो शेयर करके तहलका मचाया है. वह किचन में खड़ी होकर कॉफी मग हाथ में लिए हैं. लेकिन उनका अंदाज ऐसा है, जो अब चर्चा का विषय बन गया है. दरअसल, एली ने यहां सिर्फ ब्रा के साथ जींस पहना है और जींस के बटन और जिप भी खोले हुए हैं.

लोगों ने किए ऐसे कमेंट यहां पर कुछ लोग एली के फिगर और हुस्न की तारीफ कर रहे हैं. वहीं कुछ उनके इस अतरंगी पोज पर उनका मजाक उड़ाते और कुछ उन्हें ट्रोल करते नजर आ रहे हैं. यहां एक ने लिखा है, कॉफी पीने की जल्दी में मैडम जींस का बटन बंद करना भूल गईं. वहीं दूसरे ने लिखा है, एली जी अपने अंडरगार्मेंट के ब्रांड का प्रचार कर रही हैं.

इस फिल्म में आईं थी नजर वहीं काम की बात करें तो एली को आखिरी बार 'मलंग' में देखा गया था. फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है, जबकि फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, कुणाल खेमू, दिशा पटानी और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे. इसके अलावा वह आमिर खान के साथ एक आइटम सॉन्ग में भी दिखी थीं.

Pushpa के 'सामी- सामी' सॉन्ग पर तंजानिया के किली पॉल ने किया जबरदस्त डांस, फैंस बोले- रश्मिका से भी अच्छा

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा' रिलीज के बाद से ही कामयाबी के कई रिकॉर्ड बना रही है. 'पुष्पा' (Pushpa) फिल्म की कहानी और गाने हर तरफ धमाल मचा रही है. अब इस फिल्म का सुपरहिट गाना 'सामी- सामी' का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि इस वीडियो में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन के गाने पर तंजानिया बॉय किली पॉल जबरदस्त अंदाज में डांस करते हुए नजर आ रहे हैं.

किली पॉल के लेटेस्ट वीडियो ने मचाई धूम

तंजानिया के मशहूर सोशल मीडिया स्टार किली पॉल की लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर धूम मचा रहा है. दरअसल, फिल्म 'पुष्पा' में 'सामी' गाने पर रश्मिका मंदाना जिस तरह से थिरक रही हैं ठीक उसी तरह किली पॉल भी जबरदस्त अंदाज में 'सामी' गाने पर झूमते नजर आ रहे हैं. किली पॉल का डांसिंग स्टाइल देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी झूम उठे हैं. इस वीडियो में किली अपने ट्रेडिशनल मसाई आउटफिट में जबरदस्त अंदाज में डांस करते हुए नजर आए.

'सामी' गाने पर किली पॉल का हूक स्टेप

किली पूरे मस्त अंदाज में गाने पर डांस कर रहे हैं. इस गाने पर उन्होंने हूक स्टेप भी किया. जिसे काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है. किली का ये वीडियो अमेजन प्राइम ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है.

Bhabhiji Ghar Par Hain: 'अंगूरी भाभी' ने सर्दी में बढ़ाई अपने बोल्ड फोटोशूट से गर्मी, फैंस की सांसें थमी

'सही पकड़े हैं' घर-घर में फेमस हुआ डायलॉग भाभी जी घर पर हैं कि अंगूरी भाभी (angoori bhabhi) का है. शो में देसी अवतार में दिखने वाली भाभी जी उफ शुभांगी अत्रे (shubhangi atre) असल जिंदगी में बेहद ही बोल्ड है. उनकी बोल्डनेस का अंदाजा आप इन तस्वीरों से लगा सकते हैं. जो उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है. इसमें उन्हें ब्लैक कलर की शर्ट और जींस पहने बोल्ड अंदाज में तस्वीरें खिंचवाते हुए देखा जा सकता है. बता दें, एक्ट्रेस इन तस्वीरों (shubhangi atre photos) में अलग-अलग पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं. उन्होंने हाथ में सनफ्लॉवर भी पकड़ा हुआ है.

आपको बता दें शुभांगी अत्रे ने पहली फोटो में (shubhangi atre bold photoshoot) सनफ्लॉवर से अपना फेस कलर किया हुआ है. तो, वहीं अगली फोटो में आंखों के जरिए देखने की कोशिश करती हुई नजर आ रही हैं. वहीं इसके बाद की तस्वीर भाभी जी ने ब्लैक एंड वाइट क्लिक करवाई है.

शुभांगी अत्रे ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, 'pretty cafes and perfect eves'. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपा (shubhangi atre hot photoshoot) रही है. फैंस उनकी तस्वीरों पर खुद को कमेंट्स और लाइक्स करने से रोक नहीं पा रहे है. जहां कोई उन्हें 'love you so much' वाले कमेंट्स कर रहा है. तो, वहीं कोई उन्हें ब्यूटीफुल कहता नजर आ रहा है. एक ने तो उन्हें 'माई सुंदरी' का भी कमेंट किया है. कहना गलत नहीं होगा कि एक्ट्रेस यूं बोल्ड अदाएं दिखाती हुई बेहद ही खूबसूरत लग रही है.

प्रियंका चोपड़ा

के कपड़ों से दिखा सब आर-पार, इस फोटोशूट में है बोल्डनेस का भंडार

हाल ही में 'देसी गर्ल' उफ प्रियंका चोपड़ा का काफी चौंका देने वाला फोटोशूट (priyanka chopra hot photoshoot) सामने आया है. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. न सिर्फ आग यूं कहें कि सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है.

देसी गर्ल और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा (priyanka chopra) सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी छाई रहती हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी किसी न किसी बात को लेकर चर्चाओं में बनी रहती है. वो न सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग बल्कि अपने बोल्ड फैशन स्टाइल के लिए भी जानी जाती है. वो अक्सर फैंस के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती है. हाल ही में, फिर ऐसा देखने को मिला है जब प्रियंका चोपड़ा का काफी चौंका देने वाला फोटोशूट (priyanka chopra hot photoshoot) सामने आया है. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है.

बता दें, एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की है. जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो रहे है. उनकी इन तस्वीरों की हर जगह चर्चा हो रही है. इन तस्वीरों में आप साफ तौर पर देख सकते हैं कि प्रियंका बेहद हॉट अंदाज में दिख रही हैं. उन्होंने एक हॉट रेड कलर के एक ट्रांसपेरेंट (priyanka chopra transparent photoshoot) कपड़े लपेट कर फोटोशूट कराया है. इस ड्रेस में वह बला की हॉट नजर आ रही हैं. उनकी इस तस्वीर ने इंटरनेट का पारा गर्म कर दिया है.

वहीं इसके अलावा प्रियंका ने और तस्वीरें शेयर की हैं. उनमें भी वो काफी बोल्ड अवतार (priyanka chopra se&y photoshoot 2022) में नजर आ रही हैं. वहीं प्रियंका की इन तस्वीरों में दो ब्लैक एंड व्हाइट फोटो है. इन सभी खूबसूरत तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा है. 'वैनिटी फेयर, फरवरी 2022...'।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि एक्ट्रेस एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान सेट करने में कामयाब रहीं. कई फैंस तो उनकी फोटोज को नई फिल्म या सीरिज का इशारा भी मान रहे है. प्रियंका की इन तस्वीरों को हजारों में लाइक्स मिल चुके हैं. फैंस उन्हें ब्यूटीफुल, परफेक्ट, ड्रूश2, जैसे कमेंट्स धड़ाधड़ कर रहे है.

एक्स्ट्रा बॉडी फैट कम करने के योगासन

वजन कम करने में सहायक है योगासन वजन कम करने के अलावा दिमाग को शांत रखने में करता है मदद इम्यून सिस्टम को भी बनता है मजबूत। आजकल हर लड़की बॉलीवुड एक्ट्रेस जैसा सुंदर दिखने के साथ-साथ स्लिम एंड फिट फिगर भी चाहती है। जाहिर है स्लिम फिगर में एक्सरसाइज और योगासन का अहम रोल है। लेकिन आलस या समय की कमी के कारण बहुत सी लड़कियां फिजिकल एक्टिविटी पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। इसक नतीजा यह होता है कि उन्हें मोटापे का सामना करना पड़ता है। खराब लाइफस्टाइल और एक्सरसाइज की कमी के कारण हिप्स, थाइज और बटक्स पर फैट जम जाता है। इससे आपकी बॉडी शेप खराब हो जाती है। अगर आप भी बॉलीवुड एक्ट्रेस की तरह स्लिम ड्रिम फिगर पाना चाहती हैं, तो हम आपको कुछ योगासन बता रहे हैं जिनका आपको रोजाना अभ्यास करना चाहिए। इससे आपको हिप्स, थाइज और बटक्स का मोटापा कम करने में मदद मिल सकती है।

उत्कटासन : इस आसन से हिप्स और थाइज की मसल्स का दर्द दूर होने के साथ उन्हें टोन मिलता है। इतना ही नहीं नियमित रूप से इस आसन को करने से इन हिस्सों की मसल्स को मजबूती भी मिलती है।

वीरभद्रासन : इस आसन से आपके पैरों पर काम होता है खासकर इनर थाइज में। इससे पैरों का फैट कम होता है और मसल्स मजबूत बनती हैं। सबसे खास बात एक ही समय में दोनों पैरों का वर्कआउट हो जाता है।

नटराजासन : इससे हिप्स पर काम होता है और उन्हें बेहतर शेप मिलती है। इससे थाइज की बहारी और आंतरिक मसल्स को मजबूती मिलती है। इतना ही नहीं इससे पेल्विक से लेकर पंजों तक काम आता है।

नावासन : यह एक बेहद सरल आसन है जिससे आपके एब्स और इनर थाई टोन होती है। इसे करने के लिए अपने हाथों से पैरों की उंगलियां पकड़ने की कोशिश करें। अधिक लाभ पाने के लिए इस स्थिति में जितनी देर संभव हो रहें।

पुर्वोत्तासन : इससे आपकी बाहरी जांघों पर काम होता है। इसके अलावा आर्म्स को स्ट्रेंथ और टोन करने में मदद मिलती है। इस मुद्रा में जब आप अपने पैर और हाथों के बल पर शरीर को ऊपर उठाते हैं तो इससे हैमस्ट्रिंग और ग्लट्स पर काम होता है।

अधो मुख श्वानासन : यह योगासन दिखने में आराम-दायक है लेकिन आपके शरीर के ऊपरी हिस्से के लिए काफी मुश्किल है। इसे करने के लिए पेट के बल जमीन पर सीधा लेट जाएं। अब हथेलियों और एड़ियों के बल पर अपने शरीर को ऊपर उठाएं।

साइड फिर्स पोज़ : इससे कोर के अलावा आपकी थाई और ग्लट्स की मसल्स पर भी काम होता है। इसे करने के लिए आपके एक हाथ फर्श पर और दूसरा हाथ उसकी सीध में ऊपर ले जाना होता है। ऐसा करने से आपको थाई में दबाव महसूस होगा।

त्वचा की देखभाल के लिए घर पर बनाएं

गुलाब जल

गुलाब जल एक सुगंधित जल होता है। इसे गुलाब की पंखुड़ियों से बनाया जाता है। ये अपने एंटी- इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। ये त्वचा की जलन और त्वचा की स्थिति जैसे रोसैसिया, एक्जिमा और यहां तक कि अत्यधिक रूखेपन को शांत करने में मदद करता है। इसके अलावा, ये त्वचा के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करता है। त्वचा के लाभों से भरपूर गुलाब जल को आप ब्यूटी रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

गुलाब जल – कुछ ताजे गुलाब खरीदें, तने को काट लें और पंखुड़ियों को बाहर निकालना शुरू करें। इसके लिए आप कुछ ऑर्गेनिक रूप से उगाए गए गुलाबों का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो किसी भी कीटनाशक या केमिकल से रहित हों।

इन्हें धो लें – किसी भी तरह की गंदगी निकालने के लिए पंखुड़ियों को अच्छी तरह धो लें और फिर एक पैन में पानी डालें। इसमें पंखुड़ियों डालें। पानी इतना डालें कि पंखुड़ियां ढ़क जाएं।

पैन गर्म करें – अब पैन को ढककर धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक इसे पकाएं। इस प्रक्रिया में पंखुड़ियां अपना हल्का रंग छोड़ती है।

पानी को छान लें – ऐसे में पंखुड़ियां हल्की हो जाएगी। इसके बाद पानी को छान लें। आप पंखुड़ियों को दबा भी सकते हैं। इसे कुछ देर के लिए ठंडा होने दें और इसे लंबे समय तक चलने के लिए फ्रिज में रख दें।

क्या होता है गुलाब जल

गुलाब जल को गुलाब की पंखुडियों से डिस्टिलिंग करके बनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरुआत ईरान से हुई थी। यहां गुलाब जल का इस्तेमाल खाना बनाने, स्किनकेयर, बालों की देखभाल और इत्र के लिए किया जाता रहा है। गुलाब जल एक नेचुरल एस्ट्रिंजेंट है। ये त्वचा के PH लेवल को रिस्टोर करने और संतुलित करने में मदद करता है। ये आपकी त्वचा को फ्रेश और ग्लोइंग रखता है।

गुलाब जल के फायदे

गुलाब जल में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं। ये त्वचा में जलन, मुहांसे, एक्जिमा को कम करने में मदद करती हैं। ये रूखी त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन हाइड्रेटेड, फ्रेश और मुलायम रहती है। गुलाब जल में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है। ये आपके चेहरे की झुर्रिया कम करने में मदद करता है। कोई भी फेस पैक बनाते समय आप 2 चम्मच गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये आपके चेहरे को हाइड्रेटेड करता है। इससे आपका चेहरा ग्लोइंग भी रहता है।

बरसात के दौरान चावल में कीड़ों से पाएं निजात

बारिश के मौसम में नमी के कारण कीड़े चावल में फंस जाते हैं। उसके चलते चावल खाने का मन नहीं करता। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आपको आसान उपाय बताए जा रहे हैं। अनाज और दाल को हवाबंद कंटेनर में ठंडी, सूखी जगहों पर स्टोर करने की सलाह दी जाती है। लेकिन, तमाम कवायद और सावधानी बरतने के बावजूद उसमें रेंगते हुए कीड़े दिखाई दे सकते हैं। बारिश के मौसम में नमी के कारण कीड़े चावल में फंस जाते हैं। उसके चलते चावल खाने का मन नहीं करता। यहां तक कि अगर आप उसे साफ करना चाहें, तो समय भी बहुत ज्यादा बेकार चला जाता है। इस समस्या से निजात के लिए आप सुझाई गई टिप्स को अपना सकते हैं।

माचिस का बॉक्स रखें

कीड़ों से चावल को बचाने के लिए माचिस से भरा बॉक्स चावल के बॉक्स के पास रखें। उसमें सल्फर होता है जो चावल को कीड़ों से रक्षा करने में मदद करता है। न सिर्फ चावल के लिए बल्कि आप इस तरीके को दूसरे प्रकार के अनाज को कीड़ों से बचाने के लिए भी अपना सकते हैं।

लौंग रखें

कीड़ों से चावल की रक्षा के लिए आप लौंग की मदद ले सकते हैं। इसके लिए चावल के बॉक्स में 10-15 लौंग को रखें। उससे दो फायदे होंगे, अगर कीड़े चावल में पाए गए, तो ये उसे दूर करेगा और अगर चावल में कोई कीड़ा नहीं हुआ, तो लौंग कीड़ों से चावल की रक्षा करने में भी मदद करेगा।

फ्रिज में स्टोर करें

अगर आप बहुत ज्यादा चावल नहीं लाते हैं, लेकिन घर में कम इस्तेमाल की वजह से फिर भी बच जाता है, तो आप उसे फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। इसके लिए चावल को हवाबंद कंटेनर में भरें और उसे फ्रिज में रख दें। ये चावल को कीड़ों से दूर रखेगा।

तेजपता या नीम की पत्तियों को रखें

कीड़ों से चावल की रक्षा के लिए 10-15 तेजपत्ते को चावल के बॉक्स में डालें। अगर ये घर में मौजूद नहीं है, तो आप उसके लिए नीम की पत्तियों का भी सहारा ले सकते हैं। ये दोनों चावल में कीड़ों को घुसने से रोकते हैं।

घर के गार्डन में लगाएं स्नेक प्लांट

हवा शुद्ध करने के साथ कैंसर जैसी बीमारी से भी बचाएगा

अगर आप घर में इंडोर प्लांट लगाना चाहते हैं तो स्नेक प्लांट बेहतर विकल्प है। स्नेक प्लांट देखने में काफी खूबसूरत होता है, साथ ही इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो हमारी सेहत को कई खतरनाक बीमारियों से बचा सकते हैं। स्नेक प्लांट खासतौर पर एशिया और अफ्रीका का पौधा है। इसे संसेविया ट्रिफ़सिआटा के नाम से भी जाना जाता है। स्नेक प्लांट के पत्ते ऊपर की तरफ बढ़ते हैं और सांप के फन की तरह नजर आते हैं, इसलिए इसे स्नेक प्लांट कहा जाता है। देखने में ये अर्टिफिशियल प्लांट की तरह नज़र आता है। खास बात ये है कि स्नेक प्लांट की देखरेख के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं होती। माना जाता है कि यदि आप स्नेक प्लांट को अपने घर में लगाते हैं तो कोई भी नकारात्मक शक्ति आपके घर में नहीं आती है। जानिए स्नेक प्लांट को घर पर लगाने के और क्या फायदे हैं।

नेचुरल एयर प्योरीफायर

तमाम स्टडीज बताती हैं कि स्नेक प्लांट हवा को शुद्ध करता है और हवा में मौजूद नमी को कम करता है। इसे लगाने से एयरबोन एलर्जी का रिस्क कम होता है। ये पौधा जिलीन, टोल्यून और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक तत्वों को तेजी से हटाता है। साथ ही ये रात में भी कार्बन डाइऑक्साइड को ऑक्सीजन में बदलने की क्षमता रखता है।

एंटी-कैंसर पौधा

स्नेक प्लांट कैंसर का रिस्क भी घटाता है। ये पौधा हवा में मौजूद विषैले पदार्थ और कैंसर का कारण का बनने वाले एजेंट्स को सोख लेता है। ऐसे में यदि आप अपने घर में स्नेक प्लांट रखते हैं तो ये आपको कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से बचाव में मदद करता है।

बहुत देखरेख की जरूरत नहीं

इस पौधे को लगाने में सबसे अच्छी बात ये है कि इसे बहुत देखरेख की जरूरत नहीं होती। इसे धूप और छाया कहीं भी रखा जा सकता है। इस पौधे को बहुत पानी की जरूरत नहीं होती है। हालांकि जरूरत से ज्यादा पानी डालने से ये खराब जरूर हो सकता है। दो से तीन हफ्तों में एक बार पानी देना पर्याप्त होता है। सर्दियों में इसे और भी कम पानी की जरूरत होती है। ऐसे में आप महीने में एक बार पानी दे सकते हैं। धूल या मिट्टी से बचाए रखने के लिए आपको इसकी पत्तियों को साफ करते रहना चाहिए।

हार्ट को स्वस्थ रखेंगे ये ड्रिंक

गलत लाइफस्टाइल और उल्टा सीधा खानपान के चलते आज के समय में कम उम्र में ही लोग हार्ट संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। हार्ट की बीमारी से बचने के लिए आपको अपने दिल का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह की मानें तो जो लोग मोटापे से ग्रस्ति हैं, उन्हें सबसे ज्यादा दिल की बीमारी होने का खतरा रहता है। दिल को चुस्त और दुरुस्त रखने के लिए कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज के साथ ही हेल्दी डाइट लेना भी बेहद ही जरूरी है।

ब्रोकली और पालक का जूस का सेवन

ब्रोकली और पालक का जूस दिल को दुरुस्त रखने में भी काफी कारगर है। इन दोनों में कैरोटेनोइड्स नामक तत्व पाया जाता है, यह तत्व बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर, दिल को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही यह जूस शरीर को डिटॉक्सीफाई भी करता है।

खीरा और पुदीने का जूस का सेवन

खीरा और पदुने के जूस का सेवन भी दिल को दुरुस्त रखने में मदद करता है, क्योंकि खीरा पाचन तंत्र को मजबूत करता है और पेट को ठंडा भी रखता है। साथ ही गर्मियों के मौसम में खीरा पानी की कमी को भी दूर करता है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं। वहीं पुदीने में एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन ए और विटामिन के की अच्छी-खासी मात्रा होती है, इन दोनों चीजों को मिलाकर ड्रिंक का सेवन करना दिल के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

गाजर और चुकंदर का जूस का सेवन

डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर रंजना सिंह के अनुसार, चुकंदर में नाइट्रेट्स मौजूद होता है, जो निट्रिक ऑक्साइड में बदल जाता है। वहीं गाजर में भी नाइट्रेट की अच्छी-खासी मात्रा पाई जाती है। इन दोनों में मौजूद पोषक तत्व शरीर में ब्लड फ्लो को बेहतर करते हैं। गाजर में मौजूद बीटा-कैरोटीन ब्लड वेसेल्स को साफ करने में मदद करता है। ऐसे में गाजर और चुकंदर का जूस दिल के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आंखों को कमजोर होने से बचाने के लिए खाएं ये चीजें

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

गाजर

गाजर का जूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का जूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूण होता है।

मछली

मछली में हाई प्रोटीन होता है। मछली आंखों के अलावा बालों के लिए भी बहुत अच्छी होती है।

सोयाबीन

आप अगर नॉन वेज नहीं खाते, तो आप सोयाबीन खा सकते हैं, यह आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है।

एंटी एजिंग होम रेमेडीज

- विटामिन सी स्किन के कोलाजन के निर्माण में मदद करता है। विटामिन सी युक्त फल सब्ज़ियों का सेवन करें औरस्किन पर भी अप्लाई करें।
- नींबू में विटामिन सी होता है, नींबू काटकर सीधे स्किन पर अप्लाई करें या गुलबजल में मिलाकर अप्लाई करें।
- एलोवीरा पल्प लगायें, यह एंटीबैक्टीरीयल है और इसमें हीलिंग प्रॉपर्टीज़ हैं। शोध बताते हैं कि एलोवीरा स्किन कोहाइड्रेट करता है, कोलाजन बढ़ाकर लचीलापन बढ़ाता है और रिंकल्स को कम करता है।
- ऑलिव ऑयल से मसाज करें क्योंकि रीसर्च बताते हैं कि यह स्किन को झुर्रियों से बचाता है।
- दही के सेवन से स्किन स्वस्थ रहती है और यह स्किन को रिंकल्स से भी बचाता है।
- अंडे का सफ़ेद भाग स्किन को हेल्दी ग्लो देता है और त्वचा में कसावट बनाए रखता है। इसका मास्क स्किन परअप्लाई करें।
- योग और एक्सरसाइज़ स्किन के लचीलेपन को बढ़ाते हैं। नियमित रूप से फ़ेस योग व एक्सरसाइज़ करें।
- केला कोलाजन को बढ़ाता है और एजिंग प्रॉसेस को धीमा करता है। केले को आप खायें भी और उसे मास्क के तौरपर भी अप्लाई करें। केले को मैश करके शहद मिलायें और इस मास्क को अप्लाई करें। सूखने पर गुनगुने पानी से धोलें।
- ऐवोकैडो को अपने डायट में शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिन ए, डी और ई स्किन की नमी को बरक़रार रखते हैंऔर एजिंग प्रॉसेस को रोकते हैं।
- ककड़ी यानी कुकुंबर में शहद मिलाकर मास्क तैयार करके अप्लाई करें। ककड़ी में मैग्नीसीयम, पोटैशियम, विटामिन ए और ई होते हैं। इसमें हीलिंग प्रॉपर्टीज़ होती हैं। यह रक्त संचार को बढ़ाकर झुर्रियाँ कम करने में मददगार है।
- शहद में नींबू के रस की कुछ बूँदें मिलाकर मास्क बनायें और २० मिनट के लिए लगायें। यह स्किन में कसाव लाता है।
- स्ट्रॉबेरीज़ विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन स्रोत है। ३-४ स्ट्रॉबेरीज़ को मैश करके फ़ेस पर पेस्ट कोअप्लाई करें। १५-२० मिनट बाद धो लें।
- पपीता एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है और इसमें मौजूद एंज़ायम पैपेन त्वचा से डेड सेल्स को हटाता है। पपीता केकुछ टुकड़ों को मैश करके पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर अप्लाई करें। सूखने पर धो लें।
- पाइनऐपल प्रीमैच्योर एजिंग को रोकने में कारगर है। इसका पेस्ट चेहरे पर अप्लाई करें और १५-२० मिनट बाद धोलें।
- गुलबजल में नींबू के रस की कुछ बूँदें और ग्लिसरिन मिला लें और इसको सोने से पहले चेहरे पर अप्लाई करें। सुबहधो लें।

आज की रेसिपी

गाजर की खीर

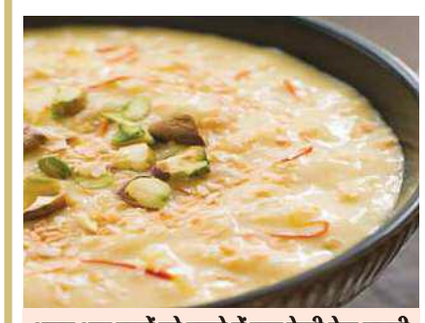

अगर आप बच्चों को नाश्ते में कुछ हेल्दी देना चाहती हैं, जिससे उनका टेस्ट भी बदल जाए और पोषण भी मिले तो गाजर की खीर ट्राई कर सकती हैं।

हलवे से लेकर सलाद तक सबकुछ सेहत के लिए बहुत अधिक फायदेमंद होता है। गाजर के हलवे की तरह ही गाजर की खीर भी बहुत स्वादिष्ट होती है।

सामग्री :

- आधा किलो गाजर (कद्दूकस की हुई)
- एक चम्मच चीनी
- 10 ग्राम किशमिश
- कतरे हुए कप काजू
- कतरे हुए 10 बादाम
- 2 हरी इलायची (पीसी हुई)

विधि :

आधा किलो गाजर को अच्छी तरह धुलें और छील लें। अब इन्हें कद्दूकस करें। गैस पर भारी बेस वाली कड़ाही रखें और उसमें एक चम्मच देसी घी डालें। घी मेल्ट होने के बाद उसमें गाजर डालें और इसके ऊपर से चीनी डालकर इसे ढक दें। इस दौरान गैस धीमी रखें।

अब 1 से 2 मिनट बाद प्लेट हटाकर गाजर और चीनी को अच्छी तरह मिक्स करें और 2 से 5 मिनट के लिए पकाएं। इस बीच इसे स्पून की मदद से चलाते रहें। अब इसमें दूध मिलाएं और दूध डालने के बाद इसे करीब 20 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। बीच-बीच में 2 से 3 मिनट बाद इसे चलाते रहें। अब इसमें पिसी हुई इलायची और किशमिश मिलाकर 2 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद इस पर काजू और बादाम या पिस्ता डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

मिनटों में तैयार की जा सकती है लो-कैलोरी रेसिपी

नाचोस और चिप्स से लेकर फ्राइज़ और कटलेट तक, डिप अकेले ही स्नैक के स्वाद को बढ़ाते हैं। हम अपने खाने को कई तरह के डिप जैसे केचप, मेयोनेज़ आदि के साथ परोस सकते हैं। लेकिन इनमें से अधिकतर न केवल अनहेल्दी विकल्प हैं, बल्कि कैलोरी से भी भरे हुए हैं। इन डिप के अलावा आप कुछ हेल्दी विकल्प चुन सकते हैं। ये स्नैक्स के साथ बहुत ही अच्छे लगते हैं। ये बेहद स्वादिष्ट होते हैं। आइए जानें आप किन हेल्दी डिप के साथ स्नैक का आनंद ले सकते हैं।

हंग कर्ड डिप – इसे बनाने के लिए आपको 1 कप हंग कर्ड, चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच हरा धनिया, 4 लहसुन की कली, 4 पुदीने के पत्ते और नमक की जरूरत होगी। सबसे पहले एक बाउल में हंग कर्ड डालें। बारीक कटा हुआ लहसुन, हरा धनिया, पुदीना, अजवाइन, लाल मिर्च और नमक डालें। सभी चीजों को चमचे से अच्छी तरह मिला लें और आपकी डिप तैयार है। इसे चिप्स या फ्राई के साथ सर्व करें।

हम्मस डिप – इसे बनाने के लिए आपको कप उबले हुए चने, 4 चम्मच दही, 2 चम्मच तिल, 2 चम्मच जैतून का तेल, 4 लहसुन की कली, 1 बड़ा चम्मच कटा हरा धनिया और नमक स्वादानुसार की जरूरत होगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले तिल को पीसने के लिए मूसल का इस्तेमाल करें। एक बार जब ये पेस्ट बन जाए तो इसे बाहर निकालें और एक ब्लेंडर में डालें। इसी ब्लेंडर में उबले हुए छोले, दही, जैतून का तेल, लहसुन की कलियां, धनिया और नमक डालें। एक स्मूद मिश्रण के लिए ब्लेंड करें। हम्मस को बाउल में निकाल लीजिए, थोड़ी सी लाल मिर्च पाउडर से सजाकर सर्व कीजिए। हम्मस को ब्रेड, बेक्ड चिप्स और नाचोस के साथ सबसे परोसा जाता है।

टमाटर सालसा डिप – इस डिप को बनाने के लिए आपको 4 टमाटर, 1 प्याज, 2 लहसुन की कलियां, 2 चम्मच हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच जीरा पाउडर, 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर, चुटकी भर हींग और नमक स्वादानुसार की जरूरत होगी। सबसे पहले टमाटर, प्याज और लहसुन की कलियों को काट लें। इन्हें एक बाउल में डालें। अब इसमें धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, हींग और नमक डालें। पेस्ट बनाने के लिए सब कुछ एक साथ धीरे से मैश करें।

भारत-द. अफ्रीका टेस्ट सीरीज में जो भावनाएं थीं वह एशेज में नही दिखी - इयान चैपल

मेलबर्न । आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल को लगता है कि हाल में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान भावनायें दिखायी दीं जबकि एकतरफा एशेज श्रृंखला में इनकी पूरी तरह से कमी दिखाई दी। तीन मैचों की श्रृंखला के शुरूआती मैच में करारी हार झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने शानदार तरीके से वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे टेस्ट में जीत दर्ज कर इसे 2-1 से अपने नाम कर लिया।

चैपल ने लिखा कि दक्षिण अफ्रीका ने हैरानी भरे तरीके से भारत को पुराने जमाने की 'डॉगफाइट' की तरह हरा दिया जिसमें कुछ रोमांचकारी क्रिकेट शामिल था। इसमें उस तरह की काफी भावनाएं शामिल थीं जो एशेज मुकाबलों के दौरान पूरी तरह से गायब थीं।

इस पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला में ऐसी पिचों पर पूरी तरह गेंदबाजी का दबदबा दिखा जो शायद क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के लिए ज्यादा फायदेमंद थीं लेकिन कुछ शानदार बल्लेबाजी भी दिखाई दी। इसमें दोनों टीमें पूरी श्रृंखला में एक दूसरे को चुनौती देती रहीं जबकि पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला पूरी तरह से एकतरफा रही।

ऑस्ट्रेलिया से निर्वासन के बाद दुबई पहुंचे नोवाक जोकोविच

दुबई । कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से निकाले गए दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सोमवार की सुबह दुबई पहुंच गए। अमीरात के विमान से वह साढे तेरह घंटे की उड़ान के बाद मेलबर्न से यहां पहुंचे। अभी यह पता नहीं चल सका है कि वह यहां से कहां जाएंगे। दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस टूर्नामेंट 14 फरवरी से पहले शुरू नहीं होगा। जोकोविच ने 2020 में यहां खिताब जीता था। दुबई में यात्रियों के लिये टीकाकरण अनिवार्य नहीं है लेकिन उन्हें उड़ान भरने से पहले नेगेटिव आरटी पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी। नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन और 20 ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच का वीजा ऑस्ट्रेलिया में दो बार रद्द हो गया क्योंकि कोरोना टीकाकरण के कड़े नियमों में मेडिकल छूट के लिये जरूरी मानदंडों पर वह खरे नहीं उतरे थे।

रूस की कामिला वलीवा ने आईएसयू फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप जीती

तालिन। रूसी फिगर स्केटर कामिला वलीवा ने तालिन में अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ की यूरोपीय फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके ही देश दो स्केटरों ने रजत और कांस्य पदक जीता। 15 वर्षीय स्केटर ने अपने शानदार शॉर्ट और फ्री स्केटिंग रूटीन से संयुक्त 259.06 अंक हासिल किए। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन फिगर स्केटर अन्ना शचरबकोवा 237.42 अंकों के साथ दूसरे, एलेक्जेंड्रा ट्रुसोवा 234.36 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

चिराग-सात्विक की युगल जोड़ी ने रचा इतिहास

पहली बार जीता इंडिया ओपन का खिताब

नई दिल्ली। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकिरेड्डी की स्टार भारतीय जोड़ी ने इंडिया ओपन के युगल स्पर्धा का खिताब अपने नाम कर लिया है। टूर्नामेंट की इस दूसरी वरीय जोड़ी ने तीन बार की विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीय मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी को सीधे सेटों में 21-16, 26-24 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने पहले सेट में जोरदार खेल दिखाया और इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ 21-16 से जीत दर्ज की। हालांकि इसके बाद अहसान-हेंड्रा की जोड़ी ने वापसी की और दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी लेकिन अंत में चिराग-सात्विक ने बाजी अपने नाम की।

दुनिया के 10वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन खेल दिखाया और महज 43 मिनट के अंदर अपने प्रतिद्वंदी को शिकस्त दी। इसके साथ ही चिराग-सात्विक की जोड़ी अब इंडिया ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष टीम बन गई है।

लक्ष्य सेन ने जीता इंडिया ओपन का एकल खिताब, फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन लोह कीन को हराया

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन ने इंडिया ओपन के एकल स्पर्धा का खिताब अपने नाम कर लिया है। 20 वर्षीय लक्ष्य ने मौजूदा विश्व चैंपियन लोह कीन येव को सीधे सेटों में हराकर अपना पहला इंडिया ओपन खिताब जीता। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले अल्मोड़ा के लक्ष्य पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 इवेंट के फाइनल में पहुंचे थे। टूर्नामेंट के तीसरे वरीय लक्ष्य ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए खिताबी मुकाबले में सिंगापुर के लोह कीन को एकतरफा अंदाज में 24-22, 21-17 से पटखनी दी। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने इससे पहले सेमीफाइनल में भी शानदार प्रदर्शन किया था। वहां उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उन्हें 60वीं रैंक वाले योंग के हाथों पहला सेट 19-21 से गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और आखिरी के दोनों सेट अपने नाम किया। टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंग्बारुंगफान ने हमवतन सुपानिदा कातेथोंग को हराकर खिताब पर कब्जा किया।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज पर श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज की

दुबई। आयरलैंड ने निर्णायक एक दिवसीय क्रिकेट मैच दो विकेट से जीतकर वेस्टइंडीज पर श्रृंखला में 2.1 से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। आईसीसी के किसी पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ आयरलैंड ने पहली वनडे श्रृंखला जीती है। यह पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ श्रृंखला में उसकी दूसरी जीत है। उसने अपनी धरती पर 2019 में जिम्बाब्वे को हराया था।

वेस्टइंडीज को 45 ओवर में 212 रन पर आउट करने के बाद आयरलैंड ने 45 ओवर में आठ विकेट पर 214 रन बनाए। इसके साथ ही कोरोना महामारी के बीच दो देशों का आयरलैंड का दौरा भी खत्म हो गया। उसे टी20 श्रृंखला में अमरीका ने हराया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड ने पहली ही गेंद पर विलियम पोर्टरफील्डका विकेट गंवा दिया लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों ने संयम नहीं खोया। कार्यवाहक कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने 38 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। तीसरे नंबर पर उतरे एंडी मैकब्रायन ने 100 गेंद में 59 रन की पारी खेली।

इससे पहले उन्होंने गेंदबाजी करते हुए चार विकेट भी लिए थे जिससे उन्हें प्लेयर आफ द मैच और प्लेयर आफ द सीरिज चुना गया। चौथे नंबर पर उतरे हैरी टेक्टर ने तीन मैचों में तीसरा अर्धशतक जमाते हुए 76 गेंद में 52 रन बनाए। अकील हुसैन ने इसके बाद तीन गेंद में दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को मैच में लौटाने की कोशिश की लेकिन क्रेग यंग ने चौका लगातार आयरलैंड को 5.1 ओवर बाकी रहते जीत तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज ने पहला वनडे जीता था जबकि दूसरा हार गई थी। उसके लिये सलामी बल्लेबाज शाई होप ने 37 गेंद में अर्धशतक जमाया लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका है।

बीसीसीआई के पूर्व सचिव ने सुझाया, इस खिलाड़ी को सौंपी जानी चाहिए टेस्ट कप्तानी

इंदौर। बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले ने सोमवार को सुझाया कि भारत के अगले टेस्ट कप्तान के तौर पर केएल राहुल को विराट कोहली की जगह दी जानी चाहिए क्योंकि 29 साल के सलामी बल्लेबाज लम्बे समय तक यह जिम्मेदारी संभालने में सक्षम हैं। कोहली ने शनिवार शाम भारतीय टीम की टेस्ट कप्तानी छोड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था।

जगदाले ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारत का अगला टेस्ट कप्तान ऐसा होना चाहिए जो लम्बे समय तक यह जिम्मेदारी संभाल सके। इस पैमाने के मुताबिक मैं देश के अगले टेस्ट कप्तान के रूप में केएल राहुल का नाम सुझाना चाहूंगा।' पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा कि राहुल ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है और भारत के साथ ही विदेशी सरजमीन पर भी रन बनाए हैं। जगदाले ने जोर देकर यह भी कहा कि बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को सुनिश्चित करना चाहिए कि अरबों रुपए के कारोबार से जुड़ी टी20 लीग आईपीएल के 'शक्ति केंद्र' भारत के राष्ट्रीय क्रिकेट के नीति निर्धारण में कोई दखल न दे सकें। बीसीसीआई के पूर्व सचिव ने कहा कि उन्हें कोहली का अचानक टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला खल गया क्योंकि वह खेल के इस प्रारूप में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक थे। उन्होंने कहा, 'भारतीय टेस्ट क्रिकेट में कोहली के योगदान को कतई नकारा नहीं जा सकता।'

भारत के खिलाफ वनडे को जीतने से आगे के लिए मनोबल बहुत बढ़ेगा-बावुमा

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी वनडे श्रृंखला में जीत से घरेलू टीम के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।

भारतीय टीम ने पिछली बार 2018 में दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था और छह मैचों की श्रृंखला में 5-1 से जीत दर्ज की थी। यह दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की पहली जीत थी। बावुमा ने कहा कि हमें भारत के खिलाफ अगली वनडे सीरीज में चीजों को ठीक करना होगा। 2018 की श्रृंखला में जो हुआ मैं उससे बहुत चिंतित नहीं हूं। मैं अपनी खेल शैली को स्थापित करने और अपनी रणनीति को अच्छे प्रभाव से लागू करने के बारे में अधिक चिंतित हूं। भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला जीत से हमें काफी आत्मविश्वास मिलेगा। इससे आने वाले मैचों के लिए टीम बेहतर लय हासिल कर सकेगी।

बावुमा भारत के खिलाफ हाल समाप्त हुई तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से जीता। बावुमा ने कहा कि 2021 आईसीसी टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के अभियान ने टीम के तरीके और नजरिये को बदलने में मदद की। यूएई में हुए टी20 विश्व कप में पांच मैचों में चार जीत के बाद भी दक्षिण अफ्रीका की टीम नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थी। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की सफेद गेंद वाली इस टीम के बारे में धारणाएं बदल रही हैं। पहले कहा जाता था कि हमारे पास स्पिन का मुकाबला करने की क्षमता नहीं है और हमने विदेशी परिस्थितियों में संघर्ष किया। मुझे ऐसा लगता है कि हमने टी20 विश्व कप में कई लोगों को गलत साबित किया है। वनडे टीम को संयुक्त अरब अमीरात में हुए विश्व कप के दौरान टी20 टीम के प्रदर्शन से सीख लेनी चाहिए। हमारी टी20 टीम ने हाल के दिनों में जो हासिल किया है, उस पर ध्यान देना चाहिए। उस टीम ने नतीजों पर ज्यादा जोर नहीं दिया, बल्कि प्रक्रिया पर ध्यान दिया।

लेवांडोव्स्की ने दागा 300वां गोल, बायर्न म्यूनिख ने कोलन को एकतरफा मुकाबले में हराया

नई दिल्ली। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के हैट्रिक सहित रिकॉर्ड 300वें बुंदेसलीगा गोल के दम पर बायर्न म्यूनिख ने कोलन को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से पराजित किया। लेवांडोव्स्की (9वें, 62वें, 74वें मिनट) के तीन गोल के अलावा एक गोल कोरेंटिन टॉलिसो (25वें मिनट) ने दागा। लेवांडोव्स्की बायर्न के लिए बुंदेसलीगा में 300 या इससे अधिक गोल दागने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। उनके अलावा थॉमस मूलर (365) ने ही यह मुकाम हासिल किया है। बायर्न की निगाह लगातार दसवें बुंदेसलीगा खिताब पर है। बायर्न के 19 मैचों में 15वीं जीत से 46 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर कायम है। बोरुसिया डॉर्टमंड (40) दूसरे नंबर पर है।

रिकॉर्ड 66वें मैच में गोल:

बायर्न ने लगातार 66वें मैच बुंदेसलीगा मैच में गोल कर क्लब का नया रिकॉर्ड भी बनाया। इससे पहले टीम ने फरवरी 2018 से फरवरी 2020 के लगातार 65 मैचों में गोल किए थे।

म्बापे का 101वां लीग गोलकाइलियान म्बापे और थिलो केहरर के दम पर पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच लीग वन फुटबॉल में ब्रेस्ट को 2-0 से मात देकर शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी और नेमार के बिना खेल रहे पीएसजी के लिए म्बापे ने 32वें और थिलो ने 53वें मिनट में गोल किए। म्बापे इस सत्र में कुल 19 जबकि लीग में दस गोल दाग चुके हैं। उनके फ्रेंच लीग के 126 मैचों में 101 गोल हो गए हैं।

नडाल के पास 21वां ग्रैंडस्लैम जीतने का मौका, सानिया-नादिया को मिली 12वीं वरीयता

सिडनी। दिग्गज रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच की गैरमौजूदगी में अब राफेल नडाल के पास ऑस्ट्रेलियन ओपन की ट्रॉफी जीतकर इन दोनों से आगे निकलने का मौका है। इन तीनों के नाम 20-20 ग्रैंडस्लैम खिताब है। स्पेनिश स्टार नडाल अपने अभियान की शुरुआत सोमवार को अमेरिका के मार्कोस गिरोन के खिलाफ करेंगे। नडाल मेलबर्न में सिर्फ एक बार 2009 में चैंपियन बने हैं। वह अगर इस बार खिताब जीत जाते हैं तो ओपन युग में सभी ग्रैंडस्लैम दो या अधिक बार जीतने वाले दूसरे जबकि कुल चौथे खिलाड़ी बनेंगे। जोकोविच ने पिछले साल फ्रेंच ओपन की ट्रॉफी जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के रॉय एर्मसन और लॉड लेवर ही यह मुकाम हासिल कर पाए हैं। इन दोनों ने ऐसा ओपन युग (1968) से पहले किया है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपना पहला मुकाबला डेनियल अल्तमायर के खिलाफ करेंगे। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी रूस के दानिल मेदवेदेव मंगलवार को हेनरी लाकसोनेन के खिलाफ खेलेंगे। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एशले बार्टी अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन यूक्रेन की लेसिया सुरेंको के खिलाफ करेंगी। पच्चीस वर्षीय बार्टी ने दो ग्रैंडस्लैम (फ्रेंच ओपन 2019 और विंबलडन 2020) जीते हैं। लेकिन वह घरेलू सरजमीं पर मेजर जीतने के लिए बेताब होंगी। वर्ष 1978 में क्रिस ओ नील के बाद से किसी भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यहां खिताब नहीं जीता है। गत चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो के खिलाफ पहला मैच खेलेंगी। कोको गॉफ चीन की वांग कियांग से, विक्टोरिया अजारेंका हंगरी की पन्ना तो मारिया सकारी जर्मनी की तत्जाना मारिया के खिलाफ आगाज करेंगी। वहीं 24 साल (1998) में यह पहला मौका होगा जब विलियम्स बहनों सेरेना और वीनस में से कोई भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचेनोक ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने अभियान की शुरुआत स्लोवेनिया की काजा जुवान और तमारा जिदानसेक की जोड़ी के खिलाफ करेगी। सानिया-नादिया को 12वीं वरीयता दी गई है। सानिया-नादिया ने साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम में आने से पहले एडिलेड डब्ल्यूटीए की दो स्पर्धाओं में भाग लिया है, जहां पहले में वे सेमीफाइनल तक पहुंचीं और दूसरे में पहले दौर में ही बाहर हो गईं। पुरुष युगल में 41 वर्षीय रोहन बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडार्ड रोजर-वेसलिन इंडोनेशिया के क्रिस्टोफर रूंगकट और फिलीपींस के ट्रीट ह्यूई की जोड़ी के खिलाफ पहला मैच खेलेंगे। मिश्रित युगल का ड्रॉ अभी तक नहीं बना है। इसमें हालांकि बोपन्ना और सानिया के एक साथ प्रवेश करने की बहुत कम संभावना है। उनकी संयुक्त रैंकिंग एक टीम के रूप में इस प्रतियोगिता में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

बार्टी की टक्कर सुरेंको से

दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एशले बार्टी अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन यूक्रेन की लेसिया सुरेंको के खिलाफ करेंगी। पच्चीस वर्षीय बार्टी ने दो ग्रैंडस्लैम (फ्रेंच ओपन 2019 और विंबलडन 2020) जीते हैं। लेकिन वह घरेलू सरजमीं पर मेजर जीतने के लिए बेताब होंगी। वर्ष 1978 में क्रिस ओ नील के बाद से किसी भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यहां खिताब नहीं जीता है। गत चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो के खिलाफ पहला मैच खेलेंगी। कोको गॉफ चीन की वांग कियांग से, विक्टोरिया अजारेंका हंगरी की पन्ना तो मारिया सकारी जर्मनी की तत्जाना मारिया के खिलाफ आगाज करेंगी। वहीं 24 साल (1998) में यह पहला मौका होगा जब विलियम्स बहनों सेरेना और वीनस में से कोई भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी

सानिया-नादिया को मिली 12वीं वरीयता

अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचेनोक ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने अभियान की शुरुआत स्लोवेनिया की काजा जुवान और तमारा जिदानसेक की जोड़ी के खिलाफ करेगी। सानिया-नादिया को 12वीं वरीयता दी गई है। सानिया-नादिया ने साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम में आने से पहले एडिलेड डब्ल्यूटीए की दो स्पर्धाओं में भाग लिया है, जहां पहले में वे सेमीफाइनल तक पहुंचीं और दूसरे में पहले दौर में ही बाहर हो गईं। पुरुष युगल में 41 वर्षीय रोहन बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडार्ड रोजर-वेसलिन इंडोनेशिया के क्रिस्टोफर रूंगकट और फिलीपींस के ट्रीट ह्यूई की जोड़ी के खिलाफ पहला मैच खेलेंगे। मिश्रित युगल का ड्रॉ अभी तक नहीं बना है। इसमें हालांकि बोपन्ना और सानिया के एक साथ प्रवेश करने की बहुत कम संभावना है। उनकी संयुक्त रैंकिंग एक टीम के रूप में इस प्रतियोगिता में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

एशेज सीरीज 0-4 से हारने के बाद बोले जो रूट, इंग्लैंड की कप्तानी के लिए मैं सही खिलाड़ी

सिडनी। दिग्गज रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच की गैरमौजूदगी में अब राफेल नडाल के पास ऑस्ट्रेलियन ओपन की ट्रॉफी जीतकर इन दोनों से आगे निकलने का मौका है। इन तीनों के नाम 20-20 ग्रैंडस्लैम खिताब है। स्पेनिश स्टार नडाल अपने अभियान की शुरुआत सोमवार को अमेरिका के मार्कोस गिरोन के खिलाफ करेंगे। नडाल मेलबर्न में सिर्फ एक बार 2009 में चैंपियन बने हैं। वह अगर इस बार खिताब जीत जाते हैं तो ओपन युग में सभी ग्रैंडस्लैम दो या अधिक बार जीतने वाले दूसरे जबकि कुल चौथे खिलाड़ी बनेंगे। जोकोविच ने पिछले साल फ्रेंच ओपन की ट्रॉफी जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के रॉय एर्मसन और लॉड लेवर ही यह मुकाम हासिल कर पाए हैं। इन दोनों ने ऐसा ओपन युग (1968) से पहले किया है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपना पहला मुकाबला डेनियल अल्तमायर के खिलाफ करेंगे। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी रूस के दानिल मेदवेदेव मंगलवार को हेनरी लाकसोनेन के खिलाफ खेलेंगे। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एशले बार्टी अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन यूक्रेन की लेसिया सुरेंको के खिलाफ करेंगी। पच्चीस वर्षीय बार्टी ने दो ग्रैंडस्लैम (फ्रेंच ओपन 2019 और विंबलडन 2020) जीते हैं। लेकिन वह घरेलू सरजमीं पर मेजर जीतने के लिए बेताब होंगी। वर्ष 1978 में क्रिस ओ नील के बाद से किसी भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यहां खिताब नहीं जीता है। गत चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो के खिलाफ पहला मैच खेलेंगी। कोको गॉफ चीन की वांग कियांग से, विक्टोरिया अजारेंका हंगरी की पन्ना तो मारिया सकारी जर्मनी की तत्जाना मारिया के खिलाफ आगाज करेंगी। वहीं 24 साल (1998) में यह पहला मौका होगा जब विलियम्स बहनों सेरेना और वीनस में से कोई भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचेनोक ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने अभियान की शुरुआत स्लोवेनिया की काजा जुवान और तमारा जिदानसेक की जोड़ी के खिलाफ करेगी। सानिया-नादिया को 12वीं वरीयता दी गई है। सानिया-नादिया ने साल के शुरुआती ग्रैंड स्लैम में आने से पहले एडिलेड डब्ल्यूटीए की दो स्पर्धाओं में भाग लिया है।